Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 236 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, मंगलवार 12 मार्च 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

मित्र वही जो आवश्यकता के समय काम आता है।

A Friend in need is a Friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

वन स्टेशन वन प्रोडक्ट(ओएसओप) ओएसओपी योजना का लोकार्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिनांक 12 मार्च' 2024 को सुबह 8.00 बजे 85,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत की लगभग 5900 से अधिक रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे । लगभग 670 से अधिक रेलवे स्टेशनों और अन्य स्थानों से लोग इस कार्यक्रम में जुड़ेंगे । रायपुर रेल मंडल के 18 वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (एक स्टेशन एक उत्पाद) स्टॉल एवं भिलाई मेमू कार शेड का विस्तार, दुर्ग कोचिंग डिपो पीट लाइन का अपग्रेडेशन रायपुर, दुर्ग, भिलाई मेमू कार शेड, दल्लीराजहरा, भानुप्रतापपुर, भाटापारा, बिल्हा रेलवे स्टेशनों पर 'वोकल फॉर लोकल' दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, स्थानीय/स्वदेशी उत्पादों के लिए बाजार प्रदान करने और हाशिए पर रहने वाले समाज के वर्गों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (ओएसओपी) योजना का लोकार्पण करेंगे । इस अवसर पर रायपुर रेलवे स्टेशन पर माननीय राज्यपाल महोदय, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार उपस्थित रहेंगे।

राज्य स्तरीय महापंचायत में शामिल हुए केंद्रीय राज्यमंत्री, कहा छत्तीसगढ़ सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों को मुख्यधारा में शामिल कर किया प्रोत्साहित

सरपंच गांव के विकास की चाबी, बड़ी उम्मीद से आप पर भरोसा कर ग्रामीणों ने सौंपी है जिम्मेदारी-केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल मोरेश्वर पाटिल

■ **पंचायत प्रतिनिधियों के सुझाव पर चलेगा पंचायत विभाग- उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा**

रायपुर (विश्व परिवार)।

सरपंच गांव के विकास की चाबी हैं। ग्रामीणों ने बड़ी उम्मीद से भरोसा कर गांव के विकास की चाबी सरपंचों को सौंपी है। छत्तीसगढ़ सरकार पंचायत प्रतिनिधियों को मुख्यधारा में शामिल कर प्रोत्साहित कर रही है। यह बात राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री पंचायतीराज श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल ने कही। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, विधायक श्री अनुज शर्मा ने भी राज्य स्तरीय महापंचायत को संबोधित किया। राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के हितग्राहियों, ज्ञानोदय वाचनालय एवं अनुसूचित क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में कम्प्यूटर प्रदाय हेतु राशि अंतरण किया गया। सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के विशिष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायतों को 9 थीम पर, नियद नेल्लानार के परिकल्पना को साकार करने वाले ग्राम पंचायतों के सरपंचों, लखपति दीदी तथा ड्रोन दीदी को सम्मानित किया गया।

राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मोदी की गारंटी के अंतर्गत राज्य सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में अपनी प्रतिबद्धता दर्शाते हुए विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की अवधारणा के अंतर्गत सत्ता की सबसे मूल इकाई पंचायत राज संस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक सुझाव और सहयोग प्राप्त करने के आकांक्षा के साथ इस महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने विस्तार से सरकार द्वारा

पंचायत विभाग में लिये गये निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार गठन के तुरंत बाद पहली केबिनेट बैठक में 18 लाख ग्रामीण परिवारों को पक्के आवास दिये जाने का निर्णय लिया गया। योजना अंतर्गत कुल 65,615 आवास पूर्ण किये गये हैं एवं 457 करोड़ रूपये की राशि जारी की गयी है। निर्माणाधीन आवासों को पूर्ण किये जाने के लिये 711 करोड़ रुपए की राशि शासन द्वारा जारी की गई है। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान अंतर्गत 26,357 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह परिवारों का पंजीयन, 15,154 परिवारों को स्वीकृति एवं 13,254 परिवारों को राशि रूपये 55 करोड़ 41 लाख रुपए जारी किया गया है। शासन द्वारा पीएम जनमन योजना में 81.73 करोड़ रूपए की राशि उपलब्ध करायी गयी हैं। पीएम जनमन योजना के तहत 467 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह बसाहटों को जोड़ने हेतु भारत सरकार के लक्ष्य के अनुरूप वर्ष 2023-24 में राशि 847 करोड़ रुपए की लागत की 1180 किमी. लंबाई की 333 सड़कों की स्वीकृति प्रदान की गयी। इन सड़कों से 366 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह बसाहटें लाभान्वित होगी। शेष 82 विशेष पिछड़ी जनजाति समूह बसाहटों के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 256 सड़कें घोर नक्सली क्षेत्र में आने के कारण 4-5 वर्षों से अपूर्ण थी, इन अपूर्ण सड़कों को पूर्ण करने कार्य-योजना तैयार की गयी। जिनमें वर्तमान में पुलिस प्रशासन के सहयोग से 23 सड़कों में निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु 1419 किमी लंबाई की 346 सड़कों हेतु राशि 349 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि जब हम गांव जाते थे तब माताएं बताती थीं कि गांव में हमारे बैठने के लिए कार्य करने के लिये जगह नहीं होती। हम सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाएंगे। फ्लिहाल उनकी मांगों के अनुरूप हमने 3000 से अधिक जनसंख्या वाले लगभग 700 ग्राम पंचायतों में वर्ष 2024-25 में महतारी सदन का निर्माण किया जायेगा, महतारी सदन की लागत राशि 20.00 लाख होगी जिसे महतारी सदन योजना, महात्मा गांधी नरेगा एवं स्वच्छ भारत मिशन के अभिसरण से बनाया जायेगा। ई-गवर्नेंस के तहत पंचायतों को शत-प्रतिशत डिजिटल करने के उद्देश्य से राज्य के 1000 ग्राम पंचायतों को वाईफाई सुविधा युक्त बनाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा में 33 प्रतिशत का आरक्षण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिलाया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गांव से आये सरपंचगणों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कार्य से प्रभावित होकर आभार व्यक्त करके पंचायत प्रस्ताव पास करके पोस्ट के माध्यम से माननीय श्री नरेन्द्र मोदी को आभार पत्र प्रेषित किया गया। पंचायत प्रतिनिधियों से सुझाव प्राप्त करने, आने वाले दिनों में पंचायतों में क्या क्या कार्य हो इसके लिए हमने सुझाव पेटी रखी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत विभाग पंचायत प्रतिनिधियों के सुझाव से चलेगा।

कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री सुनील सोनी, राज्यसभा सांसद श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, विधायकगण सर्वश्री मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, और गुरू खुशवंत साहेब के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के विशिष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायतों को 9 थीम पर किया गया सम्मानित

सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के विशिष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायतों को 9 थीम पर सम्मानित किया गया। पंचायती राज मंत्रालय ने व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए सतत विकास लक्ष्यों को स्थानीयकरण करते हुए 9 संकल्पों के रूप में अपनाया, जिससे सभी समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित हो और ग्राम पंचायतों का समग्र रूप से विकास हो।

थीम-1 के अंतर्गत गरीबी मुक्त और आजीविका उन्नत ग्राम पंचायत हेतु ग्राम पंचायत नागम को सम्मानित किया गया।

थीम-1 अंतर्गत गरीबी मुक्त और आजीविका उन्नत ग्राम पंचायत हेतु ग्राम पंचायत नागम, जनपद पंचायत लुण्ड्रा, जिला-सरगुजा को सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत नागम ने मनरेगा के अंतर्गत रोजगार, स्व-सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण जैसे अथक प्रयासों से सभी के लिए आजीविका तथा स्थायी रोजगार के अवसर सुनिश्चित किये और गरीबी मिटाने में अच्छा काम किया।

थीम-2 के अंतर्गत स्वस्थ ग्राम पंचायत हेतु ग्राम पंचायत सांकरा को किया गया सम्मानित

थीम-2 के अंतर्गत स्वस्थ ग्राम पंचायत हेतु ग्राम पंचायत सांकरा जनपद पंचायत नगरी, जिला-धमतरी द्वारा गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाते हुए सभी के लिए उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित किया।

नियद नेल्लानार की परिकल्पना को साकार करने वाले ग्राम पंचायतों के सरपंचों का किया गया सम्मान

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा नक्सल आतंकवाद से प्रभावित गाँवों तक बुनियादी सुविधाएँ और कल्याणकारी परियोजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिये नियद नेल्लानार योजना प्रारंभ की गई है। नियद नेल्लानार, अर्थात आपका अच्छा गाँव के अंतर्गत माओवादी आतंक प्रभावित क्षेत्रों में प्रारंभ किए गए 14 नये कैंपों की 5 किलोमीटर की परिधि के गांवों में 25 से अधिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही इन गांवों के ग्रामीणों को शासन की 32 व्यक्तिमूलक योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है।नियद नेल्लानार, की परिसंकल्पना को साकार करने हेतु सुकमा जिले के कोंटा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायतों के सरपंचों को सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत बगड़ेगुड़ा, कैम्प परिया, ग्राम पंचायत दुलेड़, कैम्प - दुलेड़, ग्राम पंचायत एलमागुण्डा, कैम्प मुकराजकोण्टा, ग्राम पंचायत चिमलीपेटा, कैम्प टेकलगुड़ेम एवं पूर्वती, ग्राम पंचायत पोटकपल्ली, कैम्प - शालातोंग, एवं ग्राम पंचायत सिलगेर, कैम्प - सिलगेर के सरपंचों को सम्मानित किया गया।

लखपति दीदी श्रीमती नीलम साहू को किया गया सम्मानित

राज्य स्तरीय महापंचायत में आज ग्राम पंचायत डोमा, विकासखण्ड अभनपुर जिला रायपुर की श्रीमती नीलम साहू को सम्मानित किया गया । श्रीमती साहू बिहान योजना से जुड़ी हुई हैं और 2021 से बैंक सखी के रूप में बैंक ऑफ बड़ौदा के ब्रांच-तोरला में कार्यरत हैं । श्रीमती साहू लोक सेवा केन्द्र संचालित कर रही है जहाँ वो पेन कार्ड, आधार कार्ड, लाइसेंस का निर्माण कराने का कार्य,बीमा संबंधी कार्य, श्रमिक कार्ड रेलवे टिकट पंच ट्रान्सफर इत्यादि एवं कृषिगत कार्य भी कर रही है जिससे इनकी वार्षिक आय लगभग 3 लाख रुपए होती है।

श्रीमती निरूपा साहू गृहणी से बनी ड्रोन दीदी को किया गया सम्मानित

आज राज्य स्तरीय महापंचायत कार्यक्रम में बलौदाबाजार के लाहोर ग्राम की निवासी श्रीमती निरूपा साहू का सम्मान किया गया। श्रीमती साहू ने गृहणी होकर भी कुछ कर दिखाने के जज्बा को जगाए रखा। उन्होंने अपने सपनों को पूरा करने गृहणी से ड्रोन दीदी तक का सफर तय किया है अपनी नई पहचान बनाई है। उन्होंने इफ्को संस्था के सहयोग से ड्रोन दीदी हेतु ग्वालियर में 15 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त की है। श्रीमती साहू बिहान योजना से जुड़ी हुई हैं और कृषिगत कार्यों से 2 लाख 50 हजार रुपए वार्षिक आय भी प्राप्त कर रही है।

डिप्लोमा होल्डर कर रहे श्वानों की नसबंदी, 15 दिन में चार की मौत

भोपाल। सड़कों पर रहनेवाले बेसहारा श्वानों के लिए नगर निगम द्वारा अरवलिया, कजलीखेड़ा और आदमपुर छावनी में एबीसी सेंटर बनाया गया है। इसमें कजलीखेड़ा और आदमपुर छावनी में नसबंदी का जिम्मा नवोदय एनजीओ को सौंपा गया है, लेकिन आदमपुर छावनी में श्वानों को न तो खाना-पानी मिल रहा और न ही इलाज की सुविधाएं हैं। यहां तक की श्वानों की नसबंदी भीवेटनरी के डिप्लोमा होल्डर पैरामेट स्टाफ से कराई जा रही है। इनके गलत इलाज के कारण बीते 15 दिनों में चार श्वानों की मृत्यु हो चुकी ळौ श्वान प्रेमी कविता भागनानी और ज्योति सोनी ने आरोप लगाया है कि सेंटर में श्वानों की सज्जरी के लिए वेटनरी डॉ. अभिजीत को पदस्थ किया गया है, लेकिन वह अधिकतर अवकाश पर रहते हैं। ऐसे में यहां श्वानों की नसबंदी पैरा वेट स्टाफ उमेश भास्कर करते हैं, जबकि यह काम चिकित्सक ही कर सकता है और पैरा वेट सहयोग करता है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुकाबले अरुण यादव को उतार सकती है कांग्रेस

भोपाल। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस में प्रत्याशियों के नाम पर मंथन चल रहा है। मध्य प्रदेश की गुना संसदीय सीट से भाजपा ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस यहां से पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव को उतार सकती है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रविवार की अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों के नेताओं के साथ संभावित नामों पर विचार किया। सोमवार को दिल्ली में पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी। इसमें प्रदेश की कुछ सीटों के प्रत्याशियों के नामों की निर्णय हो सकता है।

वर्तमान जिनशासन नायक 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म महामहोत्सव की तैयारी प्रारंभ....

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर शहर में आगामी 21अप्रैल 2024 को सकल जैन समाज समाहित भव्य आयोजन भगवान महावीर जन्म कल्याणक महामहोत्सव 15 दिवसीय प्रभात फेरी से प्रारंभ होगा, जिस संबंध में तैयारियों को लेकर शहर को 15 क्षेत्रों में विभक्त किया गया है। 6 अप्रैल 2024 से प्रतिदिन प्रात: प्रभात फेरी 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर के जयघोष के साथ होगी। जिसमे स्थानीय मंडल व निवासी भाग लेंगे। भगवान महावीर के मानवता ,विश्व शांति,अहिंसा के संदेश को घर-घर तक पहुंचना इस प्रभात फेरी का उद्देश्य है तदर्थ आज न्यू राजेंद्र नगर वर्धमान जैन मंदिर

में प्रभात फेरी सहित स्थानीय कार्यक्रमों को लेकर बैठक हुई जिसमें महोत्सव समिति के अध्यक्ष जितेंद्र गोलछा, महासचिव वीरेंद्र डागा, कोषाध्यक्ष अमित मूणोत, कार्यकारी अध्यक्ष अमर बरलोटा सहित प्रभात फेरी के संयोजक श्री साधुमार्गी समता युवा संघ के मंत्री सिद्धार्थ डागा व वर्धमान नगर जैन श्री संघ के धरम बेगानी, विवेक डागा आदि सदस्य उपस्थित हुए। भगवान महावीर जन्म महामहोत्सव समिति के प्रचार प्रभारी प्रणीत जैन ने उक्त जानकारी दी।

मप्र में तबादला-फैक्ट्री की 100 की स्पीड जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर हो रहे बदलाव को लेकर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने तंज कसा है और कहा है कि राज्य में तबादला-फैक्ट्री की 100 की स्पीड है। पटवारी ने सोमवार को एक्स पर लिखा, मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के 100 दिन होने वाले हैं! शुरुआत के 100 दिनों में ही 'तबादला-फैक्ट्री' 100 की स्पीड से दौड़ने लगी है और कहीं हो न हो, इस मामले में मध्यप्रदेश 'आत्मनिर्भर' हो चुका है! रविवार को फिर छह आईएएस और दो आईपीएस के ट्रांसफर किए गए। मसला यह बिल्कुल नहीं है कि ट्रांसफर क्यों किए गए? सवाल सिर्फ यह है कि ट्रांसफर को लेकर जिस तरह का दबाव हो रहा है।

वायु प्रदूषण और धूम्रपान से बढ़ रही आईएलडी रोगियों की संख्या

■ **एम्स में 350 से अधिक पंजीकृत रोगी, दिल्ली और चंडीगढ़ के बाद सबसे अधिक**

■ **अत्याधुनिक उपचार सुविधाओं से पल्मोनरी विभाग में किया जा रहा है इलाज**

रायपुर (विश्व परिवार)। इंटरस्टीशियल लंग डिजिज (आईएलडी) के बढ़ते रोगियों और उनके उपचार के लिए उपलब्ध नवीन चिकित्सा पद्धति के बारे में विमर्श के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 'पल्मोनरी मेडिसिन अपडेट्स-2024' सिम्पोजियम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों ने बताया कि धूम्रपान और वायु प्रदूषण की वजह से आईएलडी रोगियों की संख्या बढ़ रही है जो काफी चिंताजनक है। मुख्य वक्ता डॉ. विजय हाडा, एम्स दिल्ली, डॉ. सहजल धुरिया, पीजीआई चंडीगढ़ और डॉ. पीआर मोहापात्रा, एम्स भुवनेश्वर ने आईएलडी के रोगियों की बढ़ती संख्या को चुनौतीपूर्ण बताते हुए इसके प्रारंभिक लक्षणों और उपचार की नवीन पद्धतियों के बारे में चिकित्सकों को बताया। सिम्पोजियम का उद्घाटन करते हुए कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (रिटा) ने कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण, धूम्रपान और पोस्ट कोविड लक्षणों की वजह से पल्मोनरी के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। एम्स में इनके लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। आयोजन सचिव डॉ. अजॉय बेहरा ने बताया कि आईएलडी में छाती और फेफड़े में मौजूद एयर कैपिलरी ठीक से कार्यशील नहीं हो पाती जिससे आक्सीजन की आपूर्ति बाधित होती है। इसके लक्षण में सूखी खांसी, छात्री में हल्का दर्द, अत्याधिक थकावट और कमजोरी, सांस में दिक्कत या हांफना प्रमुख हैं। एम्स में आईएलडी के रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। प्रत्येक बुधवार को आयोजित विशेष क्लिनिक में अब तक 350 आईएलडी रोगी पंजीकृत हो चुके हैं। यह संख्या दिल्ली और चंड़ीगढ़ के बाद देश में तीसरी सबसे अधिक है।

12 मार्च को किसानों को डिफरेंस की राशि दी जाएगी-टंकराम वर्मा

■ **महज 90 दिन के अंदर मोदी जी की गारंटी के चार प्रमुख योजनाएं हम पूरी कर रहे हैं- शिवरतन शर्मा**

■ **छत्तीसगढ़ के किसानों का सम्मान और आय बढ़ाने का काम भाजपा की सरकार में हुआ है**

रायपुर (विश्व परिवार)। खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के आधार पर भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव लड़ा और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनीं। मोदी जी जो कहते हैं उसे पूरा करते हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में जो वादे किए थे, गारंटी दिए थे। उस गारंटी को पूरा करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिन रात कड़ी मेहनत कर उसे धरातल पर लाने का काम किया जो आज साकार रूप में दिख रही है। चाहे वह किसानों के दो साल का बकाया बोनस हो, चाहे 18 लाख प्रधानमंत्री आवास योजना हो, महतारी वंदन योजना के तहत प्रति माह 1000 रुपये याने सालाना 12000 रुपये देने, किसानों को उनकी उपज का 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदी की बात करे,सभी बातें अब धरातल पर दिख रही है। लोगों को फायदा मिल रहा है। कल ही महतारी योजना अंतर्गत 70 लाख 14 हजार विवाहित माताओं - बहनों को सीधे उनके खातों में 1000 रुपये जमा कराया गया। 12 मार्च को किसानों को डिफरेंस की राशि दी जाएगी। भाजपा जो कहती है वह करती है। खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के लोगों की खुशहाली के लिए,छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने और विकसित राज्य बनाने के लिये प्रयत्नशील हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का 2047 तक भारत को विकसित राज्य बनाने का जो सपना है। उसकी यह एक कड़ी है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि 12 मार्च 2024 छत्तीसगढ़ के किसानों के की तिथि महत्वपूर्ण है, क्योकि छत्तीसगढ़ की सरकार धान की अंतर की राशि

प्रदेश के 24 लाख 72 हजार किसानों को 13 हजार करोड़ रुपये देने वाली है। 3 नंबर को भारतीय जनता पार्टी ने घोषणा पत्र जारी किया था।भाजपा का घोषणा ङ्क पत्र का नाम दिया था 'मोदी की गारंटी'। हमारी सरकार के गठन को 13 मार्च को पूरे तीन माह हो जाएंगे। महज 90 दिन के अंदर मोदी जी की गारंटी के चार प्रमुख योजनाएं हम पूरी कर रहे हैं। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि हमने विधानसभा चुनाव में कहा था कि ग्रामीण क्षेत्र के 18 लाख प्रधानमंत्री आवास का काम जो भूपेश बघेल की सरकार ने रोक रखा था, हमारी सरकार बनते ही हम उसे शुरू करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कबिनेट की बैठक में पहले 18 लाख प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों के लिए आवास स्वीकृत करने के बाद 13 मार्च को श्री साय मुख्यमंत्री आवास में प्रवेश करने जा रहे हैं। दूसरी घोषणा थी कि उसके अनुसार पिछली सरकार के दो साल का 300 रुपये का बकाया बोनस हम नहीं दे पाए थे। उस बकाया बोनस की राशि 3716 करोड़ की राशि पूर्व प्रधानमंत्री स्व.अटल बिहारी जी की जयंती 25 दिसबंर को विष्णुदेव साय की सरकार ने प्रदान की। 10 मार्च महतारी वंदन योजना की राशि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअल संबोधन के बाद विवाहित माताओं ङ्क बहनों के खाते में सीधे अंतरण किया। 12 मार्च कृषक उन्नति योजना अंतर्गत 917 रुपये प्रति क्विंटल की राशि 24 लाख 72 हजार किसानों के खाते में 13 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किया जाएगा। यह कार्यक्रम हर ब्लॉक मुख्यालय में होगा। प्रमुख कार्यक्रम बालोद में होगा और बालोद मुख्यालय में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, और उप मुख्यमंत्री अरुण साव उपस्थित रहेंगे। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने कहा कि हमने कहा था कि भाजपा की सरकार बनते ही बस्तर,सरगुजा के आदिवासी बंधु जो तेंदूपत्ता संग्रहण का काम करते हैं,उनके दर में वृद्धि करते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण का भुगतान 5500 रुपये के हिसाब से कर उसके अंतर की राशि मंगलवार को कोण्डागांव में तेदूपत्ता संग्रह करने वालों के संभाग स्तरीय सम्मलेन में जारी की जाएगी।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, मंगलवार 12 मार्च 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पुलिस बनने लाखों युवाओं ने किया आवेदन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ पुलिस में आरक्षक और अन्य पदों के लिए जारी विज्ञापन में युवाओं ने गजब का जज्बा दिखाया है। विभाग की ओर से 5967 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 1 जनवरी से आवेदन शुरू हुआ था। जबकि 6 मार्च की तिथि आखिरी थी। जारी विज्ञापन के मुताबिक आरक्षक जीडी के लिए 5110, वाहन चालक के लिए 235 और ट्रेडमैन के लिए 623 पदों पर भर्ती की जानी है। आवेदन की तिथि 6 मार्च को समाप्त हो गई हैं। फिलहाल जो आंकड़े सामने आये हैं उसके मुताबिक़ पुलिस विभाग में भर्ती के लिए सात लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस तरह हर एक पद के पीछे करीब 117 प्रतिस्पर्धी होंगे। इसी तरह पिछली बार हुई भर्ती परीक्षा में डेढ़ लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए थे। पुलिस की यह भर्ती सभी 6 संभाग के 33 जिलों के अतिरिक्त पुलिस एकेडमी चंद्रखुरी, रेलवे पुलिस, पीटीएस माना और राजनांदगांव कैम्प में होगी। अलग-अलग चरण में युवा लिखित, शारीरिक और फिर इंटरव्यूव की प्रक्रिया से गुजरेंगे।

बैंक का लाखों रुपए हड़पने वाला कर्मी गिरफ्तार

रायपुर (विश्व परिवार)। ग्राहकों के किश्त की राशि बैंक में जमा करने के बजाए स्वयं उपयोग करने वाले बैंक कर्मी को आजाद चौक थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रार्थी राघवेन्द्र द्विवेदी ने थाना आजाद चौक में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह वर्तमान में तात्यापारा स्थित उज्जीवन स्माल फाइनेस बैंक मे मैनेजर के पद पर कार्यरत है। प्रार्थी के बैंक में कृष्ण कुमार यादव सीआरओ के पद पर कार्यरत था, जिसका काम लोगों के पास में जाकर उनको लोन के संबंध मे बताकर उनसे दस्तावेज कलेक्ट करना और ऋण देना तथा ग्राहकों से किश्त लेकर बैंक में जमा करने का काम दिया गया था। उसे बैंक के द्वारा एक टैब उपलब्ध कराया गया था। जिसमे आईएक्सईड और ग्लो नाम के एप्लीकेशन के द्वारा कस्टमर का केवाईसी एकत्रित कर लोन का प्रोसेस करता था। उक्त कार्य करने के दौरान प्रार्थी के बैक के संबंधित कस्टमर बरखा यादव, लक्ष्मी यादव, गौरी देवांगन, गायत्री शर्मा, हेमवती सिदार, संजू चैधरी, कुन्ती टाण्डेकर, रविना, प्रमिला, सुनिता नायक, राधा यदु, प्रतिमा तांडी एवं अन्य लोग जो कि बैंक से ऋण लिये थे उनके द्वारा बैंक में जमा करने हेतु दिये गये किश्त को धोखे से कैश लेकर स्वयं उपयोग कर लिया एवं कई हितग्राहियो से अपने परिचितो के खातो में ऋण का पैसा ट्रासफर कर स्वयं उपयोग कर लिया है। इस प्रकार कृष्ण कुमार यादव द्वारा बैंक के ग्राहकों के साथ ठगी कर उनके पैसे लगभग 20 लाख रूपये का स्वयं के द्वारा उपयोग कर अमानत में खयानत किया गया है।

कलिंगा विश्वविद्यालय के वार्षिकोत्सव 'कलिंगा उत्सव -2023-24 ' का आयोजन संपन्न, विद्यार्थियों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम ने सबका मन लुभाया

रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय के वार्षिक महोत्सव 'कलिंगा उत्सव - 2023-24' में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गीत-संगीत,डांस और फैशन शो की मनमोहक प्रस्तुति से विद्यार्थियों ने सबका मन मोह लिया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के द्वारा नवनिर्मित सीओई लैब के शुभारंभ की घोषणा के साथ-साथ कलिंगा विश्वविद्यालय के नए उत्पाद 'वर्मिकम्पोस्ट' को लांच किया गया।विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव कलिंगा उत्सव -2023-24 आयोजन मे मुख्य अतिथि के रुप मे् प्रो डॉक्टर कर्नल उमेश कुमार मिश्रा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष उपस्थित थें।

वार्षिकोत्सव का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथियों के स्वागत के उपरांत कलिंगा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डा.राजीव कुमार ने वार्षिकोत्सव कलिंगा उत्सव -2023-24 के शुभारंभ की घोषणा करते हुए कहा कि - वार्षिकोत्सव का आयोजन करना विश्वविद्यालय के लिए उपलब्धि का क्षण होता है।विद्यार्थियों के लिए यह खुशी का पल जीवन के यादगार अवसरों में एक होता है।कलिंगा विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने और विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ.संदीप अरोरा,उपकुलाधिपति डॉ.सज्जन सिंह,कुलपति डॉ.आर.श्रीधर,महानिर्देशक डॉ.बायजू जॉन और कुलसचिव डॉ.संदीप गांधी उपस्थित थें।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित प्रो डॉक्टर कर्नल उमेश कुमार मिश्रा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि - बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए आप सभी कड़ी मेहनत करें।पूर्ण आत्मविश्वास के साथ जीवन में आने वाली सभी मुश्किलों को परास्त करें और अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें।उन्होंने विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव की बधाई देते हुए सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

मुख्य अतिथि के उद्बोधन के पश्चात कलिंगा विश्वविद्यालय के लहर बैंड के पार्थ दुबे और उनके साथियों ने शानदार गीत-संगीत प्रस्तुत करके सभी को झूमने के लिए मजबूर कर दिया गया।इसी क्रम में कलिंगा विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल बैंड आफ वेस्ट अफ्रीका ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया।फिर अनंता कुमारी और उनके ग्रुप के द्वारा गणेश वंदना पर आधारित नृत्य के बाद छत्तीसगढ़ी डांस और कनक प्रेमचदानी ने अपने एकल गीत को प्रस्तुत करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।इसी क्रम मे् विद्यार्थियों के द्वारा बालीवुड फ्री स्टाइल डांस,देशी फ्यूजन डांस,साऊथ इंडियन ग्रुप डांस,सेमीक्लासिकल कत्थक डांस,गरबा डांस,कॉमेडी ग्रुप डांस,लावनी डांस,हिपहॉप डांस,पंजाबी गिद्धा ग्रुप डांस,वेस्टर्न पॉप फ्यूजन डांस,गोवा कार्निवाल डांस के साथ फैशन शो के विभिन्न राऊंड का शानदार प्रदर्शन किया गया।

इसके साथ ही वार्षिकोत्सव के अवसर पर इंडियन और इंटरनेशनल स्टुडेंट्स के द्वारा एकल और युगल गीतो की प्रस्तुति से वातावरण को संगीतमय बना दिया गया।विश्वविद्यालय के विद्यार्थी राहुल साहू के बांसुरी वादन की शानदार प्रस्तुति से सबका दिल जीत लिया।कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण इंटरनेशनल स्टुडेंट्स के द्वारा मनमोहक ग्रुप डांस का प्रदर्शन था।

कार्यक्रम का शानदार संचालन सुश्री श्रुति सिंह और सुश्री लिप्सा दास और उनके विद्यार्थी सुश्री एलिसा यादव,जैद खान,रीतेश तिवारी,यामिनी पाल,मोक्षी जैन,सुयश प्रत्युष,सुश्री प्रिंसी पांडेय,कुनाल सिंह,सुश्री अनिसा मोहंती,सुधांशु,गर्व शर्मा और थामस रेइटो के द्वारा किया गया।विश्वविद्यालय के इस कार्यक्रम में सम्मानित ट्रस्टी सदस्य अतिथिगण,पालकगण और समस्त विद्यार्थी उपस्थित थे।कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए छात्र कल्याण अधिष्ठाता की डीन लेफ्टिनेंट विभा चंद्राकर और उनकी पूरी टीम, डीएए डॉ.राहुल मिश्रा और उनकी पूरी टीम,एडमिनिस्ट्रेशन मैनेजर मनीष सिंह और उनकी टीम के साथ-साथ विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक एवं विश्वविद्यालयीन परिवार के सभी सदस्यों ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का कुशलतापूर्वक निर्वहन करके कार्यक्रम को सफल बनाया।

मुगलों के साम्राज्य विस्तार के बड़े बाधक थे संभाजी रावः काले

महाराष्ट्र मंडल ने सादगी से मनाई छत्रपति संभाजी महाराज की पुण्यतिथि

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज मुगल साम्राज्य के विस्तार में सबसे बड़े बाधक थे। सन् 1682 से 1688 के बीच दक्कन पर कब्जा करने के लिए औरंगज़ेब ने रामशेज किले पर कई बार हमला किया लेकिन हर बार उसे दबे पांव लौटना पड़ा था। सबसे पहले जब औरंगजेब ने मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में दक्कन में प्रवेश के लिए हमले की योजना बनाई, तो इसकी भनक संभाजी को लग गई और उन्होंने औरंगजेब पर पहले ही हमला कर दिया और रामशेज किले पर कब्जा कर लिया। यह मुगलों के लिए बड़ा झटका था। महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने सोमवार को छत्रपति संभाजी महाराज की पुण्यतिथि कार्यक्रम में इस आशय के विचार व्यक्त किए।

चौबे कॉलोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल में आयोजित इस कार्यक्रम में काले ने कहा कि संभाजी महाराज जितने मुगलों को खटकते थे, उतने ही पुर्तगालियों की आंखों के भी कांटा थे।क्योंकि गोवा में पुर्तगालियों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ संभाजी महाराज की सेना बेहद आक्रामक थी। उन पर लगातार छापामार युद्ध करके उन्हें कमजोर कर रही थी। काले ने कहा कि यही वजह था कि एक समय में पुर्तगालियों ने मुगलों से हाथ मिला लिया था।

महाराष्ट्र नाट्य मंडल के निर्देशक अनिल कालेले ने कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज की सबसे बड़ी ताकत उनके सेनापति और प्रिय मित्र हंबीराव मोहिते थे। साल 1687 में वाई की लड़ाई में सेनापति मोहिते मारे गए। इससे न केवल मराठा सेना का मनोबल टूट गया, बल्कि संभाजी महाराज भी विचलित हो गए। धीरे-धीरे उनके सैनिक साथ छोड़कर जाने लगे। कई रिश्तेदारों ने उन्हें धोखा दिया। अंततः 1689 में मुगल सेना ने संभाजी राव को बंदी बना लिया और औरंगजेब के सामने पेश किया।

अनिल कालेले ने कहा कि संभाजी राव को औरंगजेब ने अकल्पनीय यातनाएं देकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाया। औरंगजेब चाहता था कि संभाजी महाराज अब तक जीते हुए सभी किले और मराठा साम्राज्य के खजाने की जानकारी दें।

जामुल पहुंचे शंकराचार्य, उपाध्याय निवास में हुआ पादुका पूजन

रायपुर (विश्व परिवार)। उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती 1008 जी महाराज का जामुल नगर में प्रथम आगमन हुआ,विभिन्न स्थानों को फुल मालाओं से सजाकर गाजे बाजे के साथ फटाके फोड़ शंकराचार्य जी का स्वागत किया गया, पश्चात् स्वस्ति वाचन कर शंख व घंटी के ध्वनी से गुंजायमान जामुल के उपाध्याय निवास (ईश्वर उपाध्याय) में शंकराचार्य जी का पदार्पण हुआ,जहां निवास (ईश्वर उपाध्याय) में शंकराचार्य जी के आगमन पश्चात् उपाध्याय परिवार द्वारा पादुका पुजन किया गया, शंकराचार्य जी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में धर्मानुरागीजन एकत्रित हुए, जिन्हें पुजन व दर्शन पश्चात् प्रसादी वितरण किया गया। यह भी ज्ञात हो कि जामुल नगर में पहली बार एक सप्ताह के भीतर दूसरे शंकराचार्य जी का आगमन हुआ है, इससे पूर्व जामुल नगर में कभी किसी भी शंकराचार्य जी का आगमन नहीं हुआ था, 2 मार्च 2024 शनिवार को विशाल हिंदू राष्ट्र धर्म सभा के लिए धर्मध्वजरक्षक परमधर्माधीश सर्वोच्च गुरु अनंत श्री विभूषित ऋग्वेदीय पूर्वाम्नाय गोवर्धनमठ-पुरीपीठाधीश्वर परमपूजनीय श्रीमज्जग्दगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज का तीन दिवसीय जामुल के उपाध्याय निवास (ईश्वर उपाध्याय) में मंगलमय आगमन हुआ था, जहां दर्शन, दीक्षा, संगोष्ठी व हिन्दू राष्ट्रधर्म धार्मसभा को शंकराचार्य ने संबोधित किया था। ईश्वर उपाध्याय ने कहा कि एक सप्ताह के भीतर दो शंकराचार्य भगवान के जामुल आगमन को विद्वान अत्यधिक महत्वपूर्ण मान रहे हैं, जिसका मंगलमय परिणाम जल्द ही सभी सनातनीयों को प्राप्त होगा ,गौ रक्षा, धर्मान्तरण पर रोक, घर वापसी व शास्त्रों की शिक्षा आदि में तीव्र गति से कार्य होंगे।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल आवास योजना अंतर्गत बोरीयाकला, रायपुर में निर्मित **एल.आई.जी.फ्लैट क्र-208, ब्लॉक नम्बर-13, तृतीय तल, श्रीमती उषा सरोज पति स्व.श्री निलेश कुमार सरोज, निवासी-वार्ड नं -46, सेक्टर-01, म.क. नं-33** विद्यया नगर अमलीडीह रायपुर (छग) के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्रमांक-499 **दिनांक 20-02-24** के माध्यम से नामांतरित है। आवासीय भू-खण्ड/भवन 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त भू-खण्ड/भवन को फ्री-होल्ड के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका फ्री-होल्ड संपरिवर्तन किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को उक्त भवन/भूखण्ड का **फ्री-होल्ड** किये जाने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाश के 15 दिन के अंदर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा नियत समयावधि पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत शंकर नगर, रायपुर में निर्मित भवन क्रमांक **एम.आई.जी.- 63 सेक्टर 2 श्रीमती जसबीर कौर पति श्री कमलजीत उपवेजा** के नाम पर इस कार्यालय आबंटन आदेश क्र.1250 दिनांक **21.01.1982** के माध्यम से आबंटित किया गया है। वर्तमान में मूल आबंटी द्वारा दिनांक **27.02.2024** हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है। हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत उक्त भवन को क्रेता **श्रीमती पूजा खानचंदानी पति श्री अमित खानचंदानी**,2. **श्रीमती सुचित्रा केवलानी पिता श्री कीर्ति राय केवलानी** निवासी-एम.आई.जी.-**56**,सेक्टर-2 शंकर नगर, रायपुर, तह व जिला-रायपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक **06.03.2024** को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में क्रेता 1. **श्रीमती पूजा खानचंदानी पति श्री अमित खानचंदानी 2. श्रीमती सुचित्रा केवलानी पिता श्री कीर्ति राय केवलानी** द्वारा उक्त भवन को **फ्री-होल्ड** पश्चात् मण्डल अभिलेख में अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त फ्लैट का **फ्री-होल्ड** उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./10083/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 11-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10083
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F0071A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MS LAXMI CONS. BY PARTNER, RAJKUMAR DHANGAR S/O TORAN DHANGAR, TORAN DHANGAR S/O PURUSHOTTAM, KALA BAI W/O TORAN DHANGAR, LAXMI DHANGAR W/O RAJKUMAR DHANGAR, RINKI BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMESH PAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ASHA SINHA**पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O TANIK RAM SINHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./10015/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 11-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10015
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653H00163** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHAZIYA PARVEEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SYED ISMAIL ALI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAHAMMAD SAGOR ALI** पिता/पति श्री/श्रीमती **MAHAMMAD SAJJAD ALI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **Malma Bikrinama & Shapath Patr**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./10014/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 11-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10041
वार्ड का नाम- 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR662J00301** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RADHESHYAM SHARMA S/O LATE HARIRAM, VIKAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RADHESHYAM SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MAMTA JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O RAMESH KUMAR JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 789 दिनांक 11.03.2024
वार्ड का नाम- ठाकुर प्यारेलाल
वार्ड क्र. 11 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **11** मांग **पंजी क्र. 290 युआईडी 15527** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मंशाराम देवांगन /बैसाखू राम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **आशा तारक /विजय कुमार तारक** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **10-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 790 दिनांक 11.03.2024
वार्ड का नाम- माँ बंजारी धाम
वार्ड क्र. 10 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **10** मांग **पंजी क्र. 285 युआईडी 14574** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **दशरथ यादव /खोरबाहरा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **सरोज यादव /दशरथ यादव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **10-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./10036/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 09-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 10036
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737C00152** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती SHIV KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANOHAR LAL SONI** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती श्रीमती गायत्री सोनी,** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति स्व. श्री शिव कुमार सोनी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के.डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 2
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 788 दिनांक 11.03.2024
वार्ड का नाम- छत्रपति शिवाजी
वार्ड क्र. 15 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **15** मांग **पंजी क्र. 529 युआईडी 19261** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **सुनीता शुक्ला /सुरेश शुक्ला** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **हेमलता साहू/बलराम साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **10-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./348/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 11-03-2024

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 348
वार्ड का नाम- 60 - चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652F00582** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ROHIT KUMAR NIRMALKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAAM SINGH NIRMALKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SARITA GADPALE** पिता/पति श्री/श्रीमती **BRIJ LAL SONTEKE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 784 दिनांक 11.03.2024
वार्ड का नाम- रविशंकर शुक्ल वार्ड
वार्ड क्र. 13 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **13** मांग **पंजी क्र.816 युआईडी 17392** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **प्रतिक वोरा/ शशिकांत वोरा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मयूर वोरा/ शशिकांत वोरा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **10-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 785 दिनांक 11.03.2024
वार्ड का नाम- संत कबीर दास
वार्ड क्र. 17 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **17** मांग **पंजी क्र.613 युआईडी 34182** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पार्वती साहू/ विरेंद्र साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **मुन्नी देवी/ राकेश शाह** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **10-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 786 दिनांक 11.03.2024
वार्ड का नाम- ठाकुर देव वार्ड
वार्ड क्र. 18 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **18** मांग **पंजी क्र.624 युआईडी 21251** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **भागबती बाई / राधेश्याम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **चंद्रिका कौशिक/अश्वनी कुमार कौशिक** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **10-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com, Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 787 दिनांक 11.03.2024
वार्ड का नाम- माँ शीतला वार्ड
वार्ड क्र. 16 वर्ष- 2023-24

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **16** मांग **पंजी क्र. 106 युआईडी 19432** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **चूडामणि /दीवाली राम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **पुरूषोत्तम साहू/दिवाली राम साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **10-04-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

बालको में विश्व महिला दिवस पर महिला कर्मचारियों का सम्मान

बालको की प्रमुख मानव संसाधन अधिकारी ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

कोरबा(विश्व परिवार)। विश्व महिला दिवस के अवसर पर बालको ने एल्युमिना कैंटीन में महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोरबा उपभोक्ता फोरम की अध्यक्ष सुश्री रंजना दत्ता उपस्थित थी। बालको की प्रमुख मानव संसाधन अधिकारी ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। बालको के सीईओ राजेश कुमार और मुख्य अतिथि की उपस्थिति में उत्कृष्ट योगदान के लिए बालको महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने सभी के साथ अपनी सफल यात्रा का अनुभव साझा करते हुए कहा कि हम सभी को महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान का जश्न मनाना चाहिए। विश्व महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के उल्लेखनीय कार्यों पर विचार साझा करते हुए मुख्य अतिथि सुश्री रंजना दत्ता ने कहा कि बालको में महिला कर्मचारियों का योगदान प्रशंसनीय है। महिला विकास और सशक्तिकरण से ही देश की प्रगति को दोगनी रफ्तार मिलेगी। एक सफल महिला की कहानी अन्य सभी महिलाओं के लिए प्रेरणादायी होती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाये गए विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी सभी महिलाओं तक पहुंचानी चाहिए। महिलाओं को अपने अधिकारों के विषय में जागरूक होना चाहिए।

नशे पर नकेल: साढ़े सात लाख से अधिक गांजे के साथ धराया तस्कर

पिथौरा(विश्व परिवार)। नशे के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने तस्करों के पास से 96 किलो गांजा जब्त किया है. जब्त गांजे की कीमत 7 लाख 68 हजार बताई जा रही है. पुलिस आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। बता दें कि पिथौरा नेशनल हाइवे टोल प्लाजा के पास मुखबिर की सूचना से पेट्रोलिंग पार्टी को जानकारी मिली कि उड़ीसा से गांजा आ रहा है. जिसके बाद चेकिंग के दौरान पुलिस ने गांजे के साथ धरदबोचा. पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि ओडिशा से रायपुर गांजा छोड़ने का मुझे पांच हजार दिया गया. आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई की गई. जानकारी के अनुसार, ओडिशा से गांजा खरीदकर अन्य राज्यों में 10 गुना अधिक कीमतों में बेचा जाता है. जिसके चलते लगातार ओडिशा से गांजा परिवहन का खेल धड़ल्ले से चल रहा है. जबकि बॉर्डर एरिया में नाका लगाकर सभी गाड़ियों को चेक किया जाता है, फिर गांजा गाड़ी कैसे पार हुई. देखना यह होगा बड़े अधिकारी बॉर्डर पर बैठे कर्मचारियों पर क्या कार्रवाई करते हैं.

संक्षिप्त समाचार

बुरी नीयत डालने वाले पिता को किया गया गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। आरोपी को भेजा गया न्यायिक रिमाण्ड पर। अपराध क्रमांक 140/2024 धारा 294, 323, 354 भा द वि 08 पोक्सो एक्ट। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि पीड़िता 09.02.2024 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज करने लिखित आवेदन प्रस्तुत की जिसकी सूचना श्रीमान पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी को देखकर उचित दिशा निर्देश प्राप्त कर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री भूषण एक्का की मार्गदर्शन में रिपोर्ट दर्ज किया गया की प्रार्थिया और उसकी बहन दोनों को उसके पिता बेइज्जत करने की नीयत से बुरी नियत से हाथ बांह को पकड़ते हैं मना करने पर बुरी बुरी गाली गुप्तार कर हाथ मुक्के से मारपीट करते हैं ऐसा कई बार करते हैं दोनों सगी बहनों के ऊपर गंदी नियत रखते हुए शारीरिक संबंध बनाने के लिए बोलते थे मना करने पर बेइज्जत करने के लिए हाथ और शरीर के हसन को गंदी नियत से पकड़ते थे पीड़िता द्वारा मना करने पर उसने पिता के द्वारा बुरी बुरी गाली गुप्तार कर हाथ मुक्का से मारपीट करता था पीड़िता के रिपोर्ट पर धारा सदर कर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण आरोपी पिता को पकड़ा गया है। आरोपी का कृत्य धारा 294, 323, 354 भा द वि तथा 08 श्चश्रष्ह्यश्र एक्ट का होने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड हेतु भेज दिया गया है।

महिला की संदिग्ध मौत

कोरबा(विश्व परिवार)। सिटी कोतवाली के मानिकपुर पुलिस चैकी क्षेत्रांतर्गत मुड़ापार बस्ती निवासी एक महिला की तडके संदिग्ध मौत होने के बाद अस्पताल चैकी पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मुड़ापार बस्ती निवासी श्रीमती क्षिप्रा विश्वास उम्र 48 पति गोविंद राम विश्वास की हालत 3 बजे के लगभग अचानक काफी बिगड़ गई। वहां से एसईसीएल के मुड़ापार अस्पताल में ले जाया गया लेकिन उसकी हालत की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कोरबा जिला अस्पताल रेफर किया गया। बताया जाता है कि मृतका के परिजन की सूचना पर अस्पताल के वार्ड ब्वाय महेश बघेल पिता श्रीराम बघेल ने मेमो प्रतिवेदन दर्ज करने के बाद इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी अस्पताल चैकी प्रभारी दाउद कुजूर को दिया। अस्पताल चैकी प्रभारी ने मृतक के शव को पंचनामा कार्यवाही के उपरांत उसे अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिया। मामले में आगे की विवेचना जारी है।

कोलाहल अधिनियम के तहत पुलिस ने जब्त किया डीजे

कोरबा(विश्व परिवार)। निर्धारित डेसिबल से ज्यादा आवाज में ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग करने के मामले लगातार आ रहे हैं। कुछ प्रकरणों में बिना अनुमति के इस प्रकार की कोशिश की जा रही है। कटघोरा पुलिस ने सूचना मिलने पर कुछ स्थानों पर दबिश दी। वहां से डीजे व अन्य सामान जब्त किये गए हैं। स्कूलों में चल रही परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा श्री सिद्धार्थ तिवारी के द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को बिना अनुमति के एवं निर्धारित आवाज से अधिक आवाज में डीजे बजाने वालों पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया है। इसी तारतम्य में थाना प्रभारी कटघोरा निरीक्षक धर्मनारायण तिवारी एवं उनकी टीम द्वारा लगातार दो दिनों में कोलाहल अधिनियम के तहत 02 कार्यवाही किया गया। आलोक जायसवाल निवासी पुरानी बस्ती, कटघोरा एवं अनुज तिवारी निवासी तिलक नगर कटघोरा को नियम विरुद्ध तरीके से डीजे बजाने के कारण डीजे सामान जप्त कर कोलाहल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

90 किलो चंदन तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गौरेला पेण्ड्रा मारवाही(विश्व परिवार)। पुलिस ने अंतरराज्यीय तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मध्यप्रदेश से चंदन लेकर छत्तीसगढ़ जा रहे आरोपियों को पुलिस ने 90 किलो के चंदन के साथ धरदबोचा है. जब्त चंदन की कीमत 7 लाख 20 हजार रुपए आंकी जा रही है. साथ ही वाहन भी जब्त किया गया है. बता दें कि मध्यप्रदेश से चंदन की लकड़ी काटकर 2 आरोपी छत्तीसगढ़ में लाकर बेचने के फिराक में थे. जिसकी सूचना पुलिस को मिली. जिसके बाद नाकाबंदी कर टीकर कला तिराहे के पास संदिग्ध वाहन को रोककर चेक किया गया, जिसमें 3 प्लास्टिक के बोरों में चंदन की लकड़ी बरामद की गई. आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया, उक्त लकड़ी मध्य प्रदेश के भेलवा गांव के पास से चोरी कर काट कर लाए थे और ऊंचे दाम में बेचते हैं. संरक्षित प्रजाति का वृक्ष होने से उक्त लकड़ी के परिवहन आदि का परमिट नहीं होने से लकड़ी और पिकअप को जब्त कर दोनों आरोपी जितेंद्र सिंह और मोती लाल यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पशुपालक जागरूकता सह पशु प्रदर्शनी में दी गई विभागीय योजनाओं की जानकारी

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के पशु चिकित्सालय प्रांगण हरदीबाजार में पशुधन विकास विभाग कोरबा की ओर से पशुपालक जागरूकता सह पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल रहे। उन्होंने गौ माता की पूजा अर्चना कर श्रीफल तोड़कर, फल खिलाकर एवं भारत माता व छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. मयंक गोस्वामी ने अतिथियों को श्रीफल, शाल व पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मुख्य अतिथि विधायक प्रेमचंद ने कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि ष्देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी योजनाओं का आप सभी लाभ लें। हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी आप सभी की चिंता करते हैं और अनेक योजनाएं संचालित कर रहे हैं। मोदी की गारंटी साकार होते नजर आ रही है। निश्चित ही पशुपालन कृषि से संबंधित जुड़ी हुई है। पशु की मदद से ही कृषि कार्य संभव हो सकता है।ष् कार्यक्रम में उपस्थित सभी लाभार्थी किसानों एवं पशुपालकों को पशुधन विकास विभाग की ओर से विधायक प्रेमचंद पटेल ने श्रीफल गमछा एवं टिफिन का वितरण किया। कार्यक्रम में उपस्थित पशुपालकों को उपसंचालक डॉ. एस.पी. सिंह ने भी संबोधित करते हुए विभाग की पूरी जानकारी देते हुए सभी योजनाओं का लाभ लेने कहा। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अतिथियों ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जनपद पंचायत पाली के सभापति मुकेश जायसवाल, जनपद सदस्य हरदीबाजार अनिल टंडन, जनपद सदस्य मुड़ापार भवानी राठौर, सरपंच प्रतिनिधि हरदीबाजार युवराज सिंह कंवर, भाजपा किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष छोटेलाल पटेल, भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री पंकज धुरवा, युवा भाजपा नेता एवं उप सरपंच शिवलाल यादव, भाजपा युवा नेता कमलजीत सिंह, भाजयुमो महामंत्री नरेंद्र अहीर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामेश्वर यादव, राजेश राठौर, डॉ. सैयद कलाम, अनामिका अन्नु कंवर, फिरतू यादव, भोलाराम यादव, रामलाल नेटी एवं पशु विभाग से डॉक्टर सह पशु क्षेत्र अधिकारी पी.आर. कुर्रे हरदीबाजार, राजेश्वर सिंह मरावी बोईदा, डॉ. अग्रवाल, डॉ. गुर्जर, डॉ. तंवर, डॉ. सोनी, मनीराम बंजारे ड्रेसर एवं समस्त विकासखंड पाली के अधिकारी-कर्मचारी व गौ सेवक उपस्थित थे।

ईतवारी बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष अनीश मेमन ने दिया इस्तीफा

कोरबा(विश्व परिवार)। ईतवारी बाजार में व्याप्त ज्वलंत समस्याओं के निराकरण की दिशा में शासन -प्रशासन द्वारा कोई पहल नही किए जाने व उसकी कुं भकर्णी नींद बरकरार रहने से दुखी व निराश ईतवारी बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष अनीश मेमन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि ईतवारी बाजार के व्यापारियों ने तो उनका भरपूर साथ दिया । लेकिन प्रशासन का रवैया उदाशीन रहा । ईतवारी बजार में कई तरह की समस्याएं कायम है। जिसके निराकरण के लिए उन्होंने कई बार पत्राचार भी किया लेकिन प्रशासन द्वारा कोई कदम नही उठाया गया। फलस्वरूप समस्या जस की तस बनी रही प्रशासन केवल आश्वासन ही देता रहा ईतवारी बाजार में कई व्यापारी दुकानों को फैला दे रहे है। समान बाहर तक निकाल रहे है। जिससे बड़ी बाधा आ रही है। ट्रैफिक जाम हो रहा है। लोग ईतवारी बाजार खरीददारी करना पसंद कर रहे है। जिससे व्यापारी परेशान है। उनका धंधा आधे से भी कम रह गया है। अनीश के मुताबिक बाजार में कई चिकन कर दुकानें खुल गई है। क्षेत्र में दो स्कूल गायत्री विद्या मंदिर व दयानंद बाल मंदिर संचालित हो रहा है। जहां छोटे-छोटे बच्चे रोज गुजरते है।इन बच्चों पर भी बुरा असर पड़ रहा है। इसी मार्ग से होकर मोती सागर पारा मुक्ति धाम भी स्थित है। परंन्तु पता नही क्यों प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है। इसे जागने के लिए सडक की लड़ाई लडनी पड़ेगी। भानू टेलर के बगल में जीएस हाउस है।

नशीले पदार्थों का सेवन लीवर के लिये नुकसानदायक- डॉ.विपिन कटारिया

कोरबा(विश्व परिवार)। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के चिकित्सकों का चिकित्सक सम्मेलन दिनांक 9 मार्च 2024 शनिवार को होटल हेरिटेज इन में आयुष मेडिकल एसोसिएशन कोरबा एवं हिमालया फार्मा जिल डिवीजन बेंगलुरु के संयुक्त तत्वाधान में ष्यकृत रोगष् (लिवर डिसीज) हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस बी पर संभाषा परिषद के रूप में आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम हिमालया फार्मा के साइंटिफिक सर्विस मैनेजर डॉ.विपिन कटारिया ने यकृत रोग पर चर्चा कर इससे जुड़े कारणों एवं निदान पर विस्तार से बताने के साथ लिवर संबंधित रोगों का मुख्य कारण सभी तरह के नशीले द्रव्य को बताया। उसमे भी विशेष रूप से अल्कोहल के सेवन को लिवर के लिये सबसे ज्यादा नुकसानदायक बताते हुये सभी चिकित्सकों को भी अपने मरीजों को लिवर संबंधी रोगों से बचाव हेतु नशे से दूर रहने हेतु निरंतर जागरूक करने को कहा। कार्यक्रम का सफल संचालन रीजनल मैनेजर आनंद पांडे ने किया एवं आभार प्रदर्शन सेल्स ऑफिसर चक्रपाणी पाण्डे ने किया। इस चिकित्सक सम्मेलन में आयुष मेडिकल एसोसिएशन के संरक्षक डॉ.जे.पी. चन्द्रा, डॉ.आर.सी.पांडे, डॉ.के.के.पोद्दार, डॉ.अतुल धाबू, डॉ.प्रदीप देवांगन अध्यक्ष डॉ.नागेन्द्र नारायण शर्मा, सचिव डॉ.राजीव गुप्ता, तथा आयुष मेडिकल एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी, सदस्य तथा बड़ी संख्या में जिले के बी.ए.एम.एस. चिकित्सक विशेष रूप से उपस्थित थे ।

गुंडागर्दी करने वाले आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

कोरबा(विश्व परिवार)। जिला में सजग कोरबा अभियान चला कर गुंडा बदमाश, नशा का अवैध कारोबार करने वाले एवं शांति व्यवस्था को भंग करने वालोँ के विरूद्ध पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में लगातार पेट्रोलिंग कर अवैध शराब विक्रेताओं, सार्वजनिक स्थान में शराब सेवन करने वालो, शराब पीकर वाहन चलाने वालों तथा यातायात नियमों को पालन नहीं करने वालो के विरूद्ध कार्रवाई की गई। इसी बीच पुलिस को जानकारी प्राप्त हुआ है कि मुडापार गोकुल डेयरी के पास दो पक्षो में हाथापाई हुई है और इसका वीडियों इंटरनेट मीडिया में वायरल हो रहा है। इस पर चैकी प्रभारी मानिकपुर उपनिरीक्षक प्रेमचंद साहू की अगुवाई में अज्ञात आरोपित की पतासाजी शुरू की गई। साथ ही पुलिस ने इंटरनेट मीडिया में वायरल वीडियों में हाथापाई करने वालो को अनावेदक पार्टी नंबर एक सिराज अहमद खान 25 वर्ष, राहुल कर्ष 25 वर्ष, दीपक गोड़ 20 वर्ष तीनों मुड़ापार निषाद मोहल्ला निवासी तथा पार्टी नंबर दो, विष्णुदास महंत 20 वर्ष व नकूल दास महंत 20 वर्ष दोनों निवासी रेल्वे कालोनी झोपड़ी पारा को पहचान किया। शांति व्यवस्था भंग करने के अंदेशा में दोनों पक्षों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई धारा 151, 107, 116 (3) कायम कर आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया।

प्रथम हाईब्रीड नेशनल लोक अदालत का आयोजन

4314 प्रकरणों का हुआ निराकरण

कोरबा(विश्व परिवार)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा द्वारा जिला एवं तहसील स्तर पर दिनांक 09 मार्च 2024 को सभी मामलों से संबंधित नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। सत्येंद्र कुमार साहू, जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के आतिथ्य में एवं विशिष्ट अतिथि अपर सत्र न्यायाधीश कु. संघपुष्पा भतपहरी,, तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश श्री अश्वनी कुमार चतुर्वेदी, अपर सत्र न्यायाधीश (एफटी.सी.) कोरबा श्रीमति ज्योति अग्रवाल, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश श्री कृष्ण कुमार सूर्यवंशी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा कु0 सीमा चंद्रा, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश, श्री बृजेश राय, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग एक कोरबा के अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश, श्रीमती प्रतिक्षा अग्रवाल, व्यवहार न्यायाधीश वर्ग दो श्रीमती रिचा यादव, श्री संजय जायसवाल, अध्यक्ष, जिला अधिवक्ता संघ, कोरबा,श्री नूतन सिंह ठाकुर, सचिव, जिला अधिवक्ता संघ कोरबा, श्री बी.के. शुक्ला, सदस्य, छ0ग0 राज्य विधिज्ञ परिषद बिलासपुर, श्री मानसिंह यादव, चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम कोरबा दीप प्रज्जवलन कार्यक्रम में उपस्थित थे। नालसा थीम सांग न्याय सबके लिये के साथ नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। जिसमें न्यायालय में कुल 10782 प्रकरण रखे गये थे, जिसमें न्यायालयों में लंबित प्रकरण 3117 एवं प्री-लिटिगेशन के 7665 प्रकरण थे। जिसमें राजस्व मामलों के प्रकरण, प्री-लिटिगेशन प्रकरण तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के कुल प्रकरणों सहित 4314 प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत में समझौते के आधार पर हुआ।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर मंगलवार 12 मार्च 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

एक साथ चुनाव,आम सहमति जरूरी

पर्यावरण के हक में

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कई ठोस आदेश दिए हैँ। इस दौर में, जब पर्यावरण एवं वन्य जीवन संबंधी चिंताएं ताक पर रख दी गई हैं, सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेशों को एक महत्त्वपूर्ण हस्तक्षेप समझा जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने जिम कॉर्बेट पार्क में टाइगर सफारी से वन और वन्य जीवन की रक्षा के लिए ठोस पहल की है। कोर्ट ने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को एक विशेष समिति बनाने का निर्देश दिया है, जो इस बारे में उचित सलाह देगी। समिति यह बताएगी कि क्या टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में टाइगर सफारी की इजाजत दी जानी चाहिए। कोर्ट ने उत्तराखंड में स्थित जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के भीतर इमारतें बनाने के लिए काटे गए छह हजार पेड़ों के मामले को अति गंभीरता से लिया। उसने इसे राजनेताओं और अधिकारियों की मिलीभगत का एक ठोस उदाहरण बताया। कोर्ट ने यह कड़ी टिप्पणी की कि ऐसी मिलीभगत के जरिए अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए पर्यावरण को क्षति पहुंचाई जा रही है। अदालत ने कॉर्बेट में अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई पर तीन महीने के भीतर रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय वन्यजीव संरक्षण योजना के तहत संरक्षित इलाकों से अलग क्षेत्रों में भी वन्यजीव संरक्षण जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस पीके मिश्र और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच पर्यावरण कार्यकर्ता और वकील गौरव बंसल की याचिका पर सुनवाई कर रही है। बंसल ने राष्ट्रीय उद्यान के अंदर बाघ सफारी और पिंजरे में बंद जानवरों वाले चिड़ियाघर बनाने के उत्तराखंड सरकार के प्रस्ताव को चुनौती दी है। कोर्ट ने साफ किया कि फिलहाल जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क के परिधीय और बफर जोन में ही बाघ सफारी की अनुमति दी जाएगी। इसके पहले उत्तराखंड सरकार ने अति विशिष्ट व्यक्तियों के लिए मुख्य क्षेत्रों में भी सफारी की अनुमति दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे जंगल को भारी नुकसान हुआ है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई के कारण हुए नुकसान की फिलहाल सीबीआई जांच कर रही है। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में सीबीआई को तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। बेशक, इस दौर में, जब पर्यावरण एवं वन्य जीवन संबंधी चिंताएं ताक पर रख दी गई हैं, सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेशों को एक महत्त्वपूर्ण हस्तक्षेप समझा जाएगा।

अजीत द्विवेदी

विपक्ष की लगभग सभी पार्टियों ने 'एक देश, एक चुनाव' के आइडिया का विरोध किया है। भाजपा और केंद्र सरकार के प्रति नरम रुख दिखाने वाली मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने केंद्र की बनाई रामनाथ कोविंद कमेटी को अपनी राय भेजी है, जिसमें पार्टी ने कहा है कि वह पूरे देश में सारे चुनाव एक साथ कराने के विचार का विरोध करती है। इससे पहले सभी विरोधी पार्टियों ने ऐसी ही राय कोविंद कमेटी को दी है। चुनाव आयोग ने इसका समर्थन किया है और साथ ही सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने इसका समर्थन किया है। उसकी सहयोगी जनता दल यू ने कोविंद कमेटी से कहा है कि वह लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाने के विचार से सहमत है लेकिन चाहती है कि स्थानीय निकायों के चुनाव अलग हों। मुद्दों के आधार पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को समर्थन देने वाली बीजू जनता दल ने भी इस विचार का समर्थन किया है। कुल मिला कर इस मसले पर राजनीतिक दलों का वैसा ही विभाजन है, जैसा भारतीय राजनीति में दिख रहा है। भाजपा विरोधी पार्टियां इस विचार का विरोध कर रही हैं तो भाजपा और उसके साथ एनडीए में शामिल घटक दल इसका समर्थन कर रहे हैं। मुद्दों पर आधारित समर्थन देने वाली पार्टियां भी इस विचार से सहमत हैं। इस स्पष्ट विभाजन के बीच कहा जा रहा है कि रामनाथ कोविंद कमेटी अपनी रिपोर्ट तैयार कर रही है, जिसे जल्दी ही सरकार को सौंप दिया जाएगा। इस रिपोर्ट में कमेटी 'एक देश, एक चुनाव' शीर्षक से एक अलग खंड संविधान में जोड़ने की सिफारिश करने वाली है। उस खंड में एक साझा मतदाता सूची के आधार पर देश के सारे चुनाव एक साथ कराने के नियम और कानून होंगे। ध्यान रहे कोविंद कमेटी में विपक्ष का कोई सदस्य नहीं है। कमेटी बनाते समय लोकसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को इसका

सदस्य बनाया गया था लेकिन उन्होंने कमेटी और इस विचार का विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया था। सो, बिना किसी विपक्षी सदस्य के और तमाम विपक्षी पार्टियों के विरोध के बीच कमेटी ने अपनी सिफारिश तैयार की है, जो अगले हफ्ते सरकार को सौंपे जाने की खबर है। इस मामले में एक और दिलचस्प बात यह है कि रामनाथ कोविंद कमेटी ने 'एक देश, एक चुनाव' के आइडिया पर देश के लोगों की राय मांगी थी। कमेटी को सिर्फ 21 हजार लोगों ने अपनी राय भेजी। सोचें, 140 करोड़ की आबादी और करीब एक सौ करोड़ मतदाता वाले देश में सिर्फ 21 हजार लोगों ने कमेटी को अपनी राय भेजी, जिसमें से 81 फीसदी ने इस विचार का समर्थन किया। इसके बरक्स विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर देश के लोगों की राय मांगी थी तो करीब 50 लाख लोगों ने अपने सुझाव कमेटी को भेजे थे। एक तरफ 50 लाख सुझाव और दूसरी ओर 21 हजार सुझाव! सवाल है कि क्या इस आधार पर तैयार रिपोर्ट को देश के आम मतदाताओं की सामूहिक सोच का प्रतिनिधित्व माना जा सकता है? इतने बड़े मसले पर फैसला करने या कोई भी राय बनाने के लिए क्या सरकार को और ज्यादा प्रयास करने की जरुरत नहीं है? ध्यान रहे विपक्षी पार्टियां इस देश में ज्यादा मतदाताओं की राय का प्रतिनिधित्व करती हैं। अगर बीजू जनता दल और वाईएसआर कांग्रेस जैसी पार्टियों को सरकार के साथ मान लें, तब भी 'एक देश, एक चुनाव' के विचार का विरोध करने वाली पार्टियां 50 फीसदी से ज्यादा वोट का प्रतिनिधित्व करती हैं। देश के बड़े राज्यों में इन पार्टियों की सरकार है। दक्षिण के पांच राज्यों में से चार में सरकार चला रही पार्टियों ने इस विचार का विरोध किया है। दक्षिण में कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है, जबकि तमिलनाडु में डीएमके और केरल में लेफ्ट मोर्चे की सरकार है। कांग्रेस, डीएमके और लेफ्ट तीनों ने इस विचार का विरोध किया है। क्या दक्षिण के राज्यों के विरोध को पूरी तरह से दरकिनार करके सरकार पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने का फैसला कर लेगी? इसी तरह पश्चिम बंगाल में सरकार चला रही तृणमूल कांग्रेस ने इसका विरोध किया है तो झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भी इस विचार का विरोध किया है। दिल्ली और पंजाब में सरकार चला रही आम आदमी पार्टी ने 'एक देश, एक चुनाव' के विचार पर आपत्ति जताई है। भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों के शासन वाले राज्यों की मुख्य विपक्षी पार्टियों ने इस विचार के विरोध में अपनी राय कोविंद कमेटी को भेजी है। कांग्रेस हो या डीएमके और तृणमूल कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी, राजद, जेएमएम या समाजवादी पार्टी हो सबने यह कहते हुए इस विचार का विरोध किया है कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। पार्टियों ने इसे संविधान द्वारा बनाए गए संघीय ढांचे के प्रतिकूल कहा है। हालांकि सरकार का तर्क है कि आजादी के बाद तीन लोकसभा चुनावों तक ऐसा होता रहा था। लेकिन सबको पता है कि 1967 में यह चक्र टूट गया और उसके बाद से देश की राजनीतिक परिस्थितियां बहुत बदल गई हैं। अब हालात 1952 या 1957 या 1962 वाले नहीं हैं। देश में बहुदलीय प्रणाली है, जिसके तहत बड़ी संख्या में पार्टियां चुनाव लड़ती हैं और समय के साथ हर राज्य की एक अनोखी सामाजिक व राजनीतिक व्यवस्था विकसित हुई है। अगर इसमे एकरुपता लाने की कोशिश होती है तो उससे विविधता और बहुलता को भी नुकसान होगा और साथ ही संघवाद की धारणा भी प्रभावित होगी। पूरे देश में एक राष्ट्रीय नैरेटिव पर चुनाव कराना भारत जैसे विशाल और विविधता वाले देश के लिए ठीक नहीं है। अगर पहले तीन चुनाव में ऐसा हुआ है तो उसके 60 साल बाद जरूरी नहीं है कि उस व्यवस्था को लौटा लाया जाए। सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि लोकतंत्र और चुनाव बगैर विपक्ष की भूमिका के संभव नहीं हैं। अगर सरकार चाहती है कि देश में लोकतंत्र का तमाशा नहीं बने और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव एक औपचारिकता बन कर न रह जाए तो उसे विपक्ष को इस प्रक्रिया में शामिल करना होगा। भारत को जीवंत और जाग्रत लोकतंत्र बनाए रखने के लिए इसमें ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदाताओं को भी शामिल करना होगा।मतदाताओं की व्यापक भागीदारी के बिना अगर सरकार अपनी मर्जी से एक देश, एक चुनाव के विचार को लागू करती है तो यह लोकतंत्र को कमजोर करने वाला होगा।

विचार

विपक्षी नेताओं के बयानों का विवाद

किसी भी चुनाव की गर्मी में नेताओं की तीखी बयानबाजी बहुत आम है। पार्टियां और नेता एक दूसरे पर हमला करते हैं। कई बार विवादित बयान भी दिए जाते हैं, जिनका मकसद किसी खास चीज की ओर ध्यान खींचना होता है। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियों की ओर से कुछ ऐसे बयान दिए जा रहे हैं, जो रैंडम नहीं लग रहे हैं। यानी ऐसा नहीं लग रहा है कि बिना सोचे समझे चुनाव प्रचार की गर्मी में बोल दिया। ये बयान सुनियोजित लग रहे हैं और पिछले कुछ समय से कही जा रही बातों की निरंतरता उनमें दिख रही है। यह अलग बात है कि डीएमके सांसद ए राजा जो बयान दे रहे हैं, कांग्रेस उसकी आलोचना कर रही है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी जो बयान दे रहे हैं उनकी पार्टी के ही नेता उसकी आलोचना करके पार्टी छोड़ रहे हैं। लालू प्रसाद के बयान पर अलग बहस छिड़ी हुई है। सवाल है कि विपक्षी नेता क्या इससे किसी ऐसे ध्रुवीकरण की उम्मीद कर रहे हैं, जिससे उनको फायदा होगा? डीएमके नेता ए राजा ने भारत को एक देश मानने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि देश उसको कहते हैं, जिसमें एक जैसे लोग रहते हैं और एक जैसी भाषा बोलते हैं। भारत में जाति, धर्म और भाषा की विविधता के आधार पर उन्होंने भारत को एक देश की बजाए एक उप महाद्वीप कहा है। दक्षिण एशिया के देशों को भारतीय उप महाद्वीप कहा जाता है। लेकिन ए राजा ने भारत को देश नहीं मानने की बात कहते हुए अपनी और पार्टी की द्रविडियन पहचान को आगे रखा। उन्होंने जय श्रीराम का नारा लगाने का भी विरोध किया। ध्यान रहे वे पहले भी सनातन विरोध का बयान दे चुके हैं। ए राजा और उदयनिधि स्टालिन ने सनातन को बीमारी बताते हुए उसे खत्म करने का संकल्प जताया था। इस बीच राहुल गांधी का भी एक बयान चर्चा में आया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि उनको तो खुद प्रधानमंत्री बनना है लेकिन वे चाहते हैं कि बाकी लोगों के बच्चे जय श्रीराम बोलते हुए भूख से मर जाएं। वे सीधे भूख से मर जाने की बात भी कर सकते थे या जैसा पहले कहा था कि मोदी चाहते हैं कि देश के बच्चों को मोबाइल की लत लग जाए और वे कोई काम नहीं करें, वैसा भी कह सकते थे। लेकिन उन्होंने जय श्रीराम नारे का जिक्र किया। गौरतलब है कि गुजरात में अर्जुन मोढवाडिया और अन्य लोगों ने इसी बात को मुद्दा बनाया कि कांग्रेस भगवान राम का विरोध कर रही है। सबको पता है कि यह बहुत संवेदनशील मामला है फिर भी कैजुअल तरीके से इसे लेकर बयान दिए जा रहे हैं। उधर लालू प्रसाद ने पटना की जन विश्वास रैली में प्रधानमंत्री मोदी के संतान नहीं होने का मुद्दा उठाया और साथ ही यह भी कहा कि वे हिंदू नहीं हैं क्योंकि उन्होंने अपनी मां के निधन पर बाल नहीं मुड़वाए। सोचें, डॉक्टर लोहिया के चेलों को इस पोंगापंथी विचार का प्रचार करना है कि हिंदू होने के लिए बाल मुड़वाना जरूरी है। लालू प्रसाद को हिंदू धर्म की विविधता और विवाह से लेकर अंतिम संस्कार तक के मामले में देश के अलग अलग हिस्सों में अपनाई जाने वाली धार्मिक पद्धतियों की जानकारी ही नहीं है। क्या विपक्षी नेता इस तरह के बयानों से भाजपा के मुकाबले कुछ खास किस्म का ध्रुवीकरण होने की उम्मीद कर रहे हैं?

चुनाव क्या सिर्फ औपचारिकता ?

तो क्या यह मान लिया जाए कि लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे तय हैं और चुनाव एक औपचारिकता भर है? क्या देश के लोगों ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा को तीसरी बार शासन का मौका देने का फैसला कर लिया है? कम से कम प्रधानमंत्री की बातों से तो ऐसा ही लग रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में रविवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। करीब आठ घंटे चली इस बैठक में नई सरकार के सौ दिन के एजेंडे पर चर्चा होने की खबर है। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक मंत्रिपरिषद ने दीर्घकालिक लक्ष्य यानी 2047 में विकसित भारत बनाने के लक्ष्य पर विचार विमर्श किया और साथ ही नई सरकार के एक सौ दिन के लक्ष्य पर भी चर्चा की। कई मंत्रालयों के सौ दिन के एजेंडे पर प्रेजेंटेशन देने की खबर भी है। सवाल है कि क्या सचमुच नरेंद्र मोदी और उनके मंत्री मान रहे हैं कि तीसरी बार भी उनकी सरकार बनने जा रही है या मंत्रिपरिषद की बैठक से निकली खबरें चुनाव के लिए इस्तेमाल किए जा रहे किसी रणनीतिक दांव का हिस्सा हैं? आमतौर पर चुनाव नतीजों के बारे में इस तरह का सटीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि कौन जीत रहा है और किसकी हार हो रही है। इस मायने में चुनाव भी क्रिकेट की तरह गौरवशाली अनिश्चितताओं का खेल है। कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से और अनौपचारिक बातचीत में स्वीकार किया है कि जिस समय वे चुनाव जीतने के सबसे ज्यादा भरोसे में होते हैं उस बार चुनाव हार जाते हैं और जब लगता है कि कांटे का मुकाबला है तो चुनाव जीत जाते हैं। यह व्यक्तियों और पार्टियों दोनों के मामले में सही है। पिछले ही साल के विधानसभा चुनावों मे कांग्रेस छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश की जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त थी तो बीआरएस को लग रहा था कि वह तेलंगाना हार ही नहीं सकती है। इन राज्यों के नतीजे सबको पता हैं। अगर लोकसभा चुनावों की बात करें तो 2004 के नतीजों का सबको पता है। जैसे अभी भाजपा के नेता अगली सरकार का एजेंडा तय कर रहे हैं। उसी तरह 2004 में भी अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के मंत्री अगली सरकार का एजेंडा तय कर रहे थे। 'देयर इज नो ऑल्टरनेटिव' यानी 'टीना' फैक्टर के आधार पर कहा जा रहा था कि अटल बिहारी वाजपेयी के मुकाबले कोई नहीं है। अंग्रेजी के बड़े पत्रकार लच्छेदार जुमलों में बता रहे थे कि 'सोनिया इज द ऑल्टरनेटिव सो देयर इज नो ऑल्टरनिव' यानी 'सीटा बनाम टीना' फैक्टर की चर्चा थी। दिसंबर 2003 में चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए थे, जिनमें से राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा जीती थी और उससे बनी लहर का इस्तेमाल करने के लिए वाजपेयी सरकार ने समय से पहले मई 2004 में लोकसभा चुनाव कराने का फैसला किया। 'शाइनिंग इंडिया' और 'फीलगुड' के मुद्दे पर चुनाव लड़ा गया और उसका भी नतीजा सबको पता है। ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी को इस राजनीतिक इतिहास या चुनावी अनिश्चितताओं का अंदाजा नहीं है। लेकिन कई बार असीमित सत्ता और लोकप्रियता भ्रम पैदा करती है। आंखों के सामने परदा डाल देती है। तकनीक, आंकड़ों और मोदी के निजी करिश्मे से भाजपा की टीम ऐसा नैरेटिव बना रही है कि हैरानी नहीं होगी अगर सचमुच भाजपा नेता इस भरोसे में बैठे हों कि चुनाव जीत रहे हैं। अगर ऐसा भरोसा है तो यह अति आत्मविश्वास नहीं, बल्कि उससे आगे की चीज है। इसे अहंकार कह सकते हैं। यह जनता और मतदाताओं को फॉर गारंटेड लेने या अपना पिछलग्गू मानने की सोच है। चुनाव प्रचार में किसी पार्टी द्वारा जीत का दावा करने और मंत्रिपरिषद की बैठक करके अपनी जीत की गारंटी बताने के बीच के फर्क को समझने की जरुरत है। पार्टियां चुनाव प्रचार में बड़ी से बड़ी जीत का दावा करती हैं, भरोसा जताती हैं, आत्मविश्वास दिखाती हैं लेकिन जब सरकार मंत्रिपरिषद की बैठक करके अगली सरकार का एजेंडा तय किया जाए तो उसे आत्मविश्वास नहीं कहेंगे। यह अति आत्मविश्वास से भी आगे की चीज है। तो क्या यह माना जाए कि प्रधानमंत्री मोदी में अहंकार आ गया है और वे मतदाताओं को फॉर गारटेंड मान रहे हैं? अगर ऐसा है तो फिर वोट मांगने जाने की भी क्या जरुरत है या मतदाता मालिकों के आगे सिर झुकाने, उन्हें अपना परिवार बताने और उनसे तीसरा मौका देने का अनुरोध करने की क्या जरुरत है? जाहिर है असलियत वह नहीं है, जो दिख रही है। भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री मोदी जो दिन-रात एक किए हुए हैं वह अलग कहानी बयां कर रही है। उससे ऐसा लग रहा है कि तीसरी बार की जो मुश्किलें होती हैं उनका सामना पार्टी कर रही है। पार्टी के रणनीतिकारों को चुनौतियों का अंदाजा है। भाजपा के हर उम्मीदवार के सामने विपक्ष का एक साझा उम्मीदवार नहीं आए इसके लिए कांग्रेस सहित विपक्ष की हर पार्टी तोड़ी जा रही है। दूसरी पार्टियों के नेताओं को खुले दिल से भाजपा में आमंत्रित किया जा रहा है और उनकी हैसियत से हिसाब से राज्यसभा दी जा रही है या लोकसभा की टिकट दी जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा जिस राज्य में पहुंचने वाली होती है वहां पहले से तोड़-फोड़ करके यात्रा को फेल करने के जतन किए जा रहे हैं। इन सबसे तो ऐसा नहीं लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी आसानी से चुनाव जीतने के आत्मविश्वास में है। कायदे से ऐसा ही होना चाहिए। हर चुनाव इस तरह से लड़ा जाना चाहिए, जैसे पहली बार लड़ रहे हों ।और जीवन का आखिरी चुनाव हो। मोदी और अमित शाह हमेशा इसी तरह से चुनाव लड़ते हैं। तभी ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जीत का विश्वास भर रहे हैं और मतदाताओं का एक बड़ा समूह, जो आखिरी समय तक अनिश्चय की स्थिति में रहता है उसको समझा रहे हैं कि उसे अपना अनिश्चय समाप्त करना चाहिए और अनिर्णय की स्थिति से निकल कर भाजपा को वोट देना चाहिए क्योंकि भाजपा जीत ही रही है। मंत्रिपरिषद की बैठक में सौ दिन के एजेंडे पर चर्चा करके प्रधानमंत्री ने यही मैसेज बनवाया। उससे पहले संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए भी प्रधानमंत्री ने भाजपा को 370 और एनडीए को चार सौ सीट का जो दावा किया और अपनी बात के प्रमाण के तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भाषण का आधा अधूरा संदर्भ दिया उसके पीछे भी मकसद यही था।

पाकिस्तान में हिन्दू मंदिर

अविभाजित भारत में किसी भी राज्य में किसी एक धर्म या सम्प्रदाय के लोगों की बहुतायत नहीं थी । यह सत्य है कि बंगाल और पंजाब के कुछ हिस्सों में मुसलमान ज्यादा थे तो और हिस्सों में हिन्दू ज्यादा था । आरोप यह है कि ब्रिटिश की कूटनीति थी कि भारत को विभाजित करके उसकी शक्ति घटाई जाये । एक समय था जब तिब्बत श्रीलंका आज का बांग्लादेश और पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, भूटान, वर्मा यहां तक कि अदन अदन तक भारत फैला था । धीरे-धीरे ब्रिटिश कूटनीति ने भारत के हिस्से कर करके वर्मा, भूटान, तिब्बत आदि को अलग देश मान लिया । तिब्बत में हमारे इष्ट देवता हैं । क्या कोई विदेश में इष्ट देवता स्थापित करेगा । मानसरोवर भारत का पुण्य तीर्थ है । पहले श्रीलंका को स्वतंत्रता दी गई, फिर भूटान और फिर वर्मा को अलग देश बनाया गया ।

डोनाल्ड ट्रंप को क्या हैली करेगी समर्थन

श्रुति व्यास

जो होना ही था वह हो गया है। जो अपरिहार्य था, उसे निक्की हैली ने मान लिया है। वे राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर हो गई हैं। सुपर ट्यूसडे (अर्थात राष्ट्रपति चुनाव के वर्ष का वह दिन जब सबसे बड़ी संख्या में राज्यों में प्राइमरीज होते हैं) उनके लिए कतई सुपर साबित नहीं हुआ। अब यह तय हो गया कि अमेरिका में पिछले चुनाव में जिन दो बुजुर्गों का मुकाबला हुआ था, वे इस बार भी आमने-सामने होंगे। यह भी तय हो गया है कि रिपब्लिकन मतदाताओं में डोनाल्ड ट्रंप के प्रति जबरदस्त समर्थन है और उनके मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) मार्का समर्थकों का पार्टी में बोलबाला है।ये पूरी तरह उनके साथ हैं और उनकी बचकानी बातों के बावजूद उनके कठिन समय में उनके साथ खड़े हैं। हालांकि राष्ट्रपति चुनाव की तस्वीर साफ हो चुकी है, लेकिन अब भी कई सवाल हवा में तैर रहे हैं। खासकर डोनाल्ड ट्रंप के बारे में। क्या एमएजीए समर्थकों के अलावा अन्य मतदाताओं में भी उनकी स्वीकार्यता है? इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल है कि क्या हैली व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रपति पद के लिए ट्रंप का समर्थन करेंगीं? क्या इस बात की कोई संभावना है कि कानूनी पचड़ों के चलते ट्रंप व्हाईट हाऊस तक का सफर पूरा न कर पाएं? इनमें से अंतिम संभावना के केवल संभावना ही बने रहने की ज्यादा है क्योंकि अमरीकी न्याय प्रणाली भी भारतीय न्याय प्रणाली की कछुए की गति से काम करती नजर आ रही है। पहले चर्चा निक्की हैली और उनके समर्थकों पर। सुपर टयूजडे को हैली ने वरमाउंट के प्रायमरी में जीत हासिल की।वे इसके पहले वाशिंगटन डीसी में विजयश्री हासिल कर चुकी थीं। मंगलवार को जिन राज्यों में मतदान हुआ उन सभी में उन्हें अपेक्षा से अधिक वोट प्राप्त हुए और ट्रंप

और उनके बीच वोटों का अंतर जनमत संग्रहों के अनुमानों से काफी कम रहा। नमूना सर्वेक्षणों के अनुसार 25 से 40 प्रतिशत के बीच रिपब्लिकन मतदाता और कंजरवेटिव इंडिपेंडेंट, ट्रंप के खिलाफ हैं और हैली लगभग इन सभी के वोट हासिल करने में कामयाब रहीं। इससे ट्रम्प की जीतने की उम्मीदों पर सवालिया निशान लग सकता है, खासकर इसलिए क्योंकि निक्की हैली (कम से कम अब तक) ट्रंप का समर्थन करने के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुई हैं। हालांकि पहले के प्रायमरियों के दौरान वे कह चुकी हैं कि ट्रंप और बाईडन में से उनकी पसंद ट्रंप होंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि यदि वे राष्ट्रपति चुनी गईं और यदि ट्रंप को उन पर लगाए गए 91 आपराधिक आरोपों में से किसी में भी सजा हुई तो वे उन्हें क्षमादान दे देंगीं। इसलिए हैली के समर्थक और ट्रंप के विरोधी सांस रोककर उनका रूख साफ होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। फिलहाल वे रिपब्लिकन पार्टी में ट्रंप के बाद दूसरी शक्तिशाली हस्ती बनकर उभरी हैं। एक श्वेत पुरूष के बोलबाले वाली प्रायमरी में एक अश्वेत रिपब्लिकन महिला का अनुमान से बेहतर प्रदर्शन मामूली बात नहीं है। उन्होंने मूक, हताश, खांटी कंजरवेटिव रिपब्लिकन महिलाओं और पुरूषों को दुबारा महत्व और आवाज़ दी है, जो ट्रंप के चीखते-चिल्लाते एमएजीए समर्थकों के बीच नक्कारखाने में तूती बन कर रह गए थे। इस बीच सुपर टयूजडे की सुपर जीत के बाद ट्रम्प बदले-बदले दिखे। वे हमेशा की तरह बड़ी-बड़ी बातें करने वाले आत्ममुग्ध अहंकारी नहीं दिखे। सबका मानना था कि वे अपने भाषण में कहेंगे कि देखो, जो मैंने कहा था वही हुआ और यह भी कि प्रायमरीज केवल समय की बर्बादी हैं। वे निक्की हैली पर ताबड़तोड़ हमले करेंगे और मीडिया और बाइडन को दानव बताएँगे। लेकिन उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। बल्कि उनका 19 मिनट का छोटा सा भाषण देश के निराशाजनक माहौल पर केन्द्रित रहा। उनका भाषण इतना निराशा भरा था कि कई गेस्ट उसके पूरा होने के पहले ही हॉल से बाहर निकल गए। उन्होंने कहा, 卐दसियों लाख लोगों ने हमारे देश पर हमला कर दिया है। और शायद यह हम पर सबसे बड़ा हमला है।इसके बाद उन्होंने ऐसी बात कही जिसके सही या गलत होने का पता लगाना असंभव है।卐आज ऐसे लोगों की संख्या डेढ़ करोड़ हो सकती है। और ये लोग दुनिया के सबसे खतरनाक और सबसे असभ्य इलाकों से आ रहे हैं卐।जाहिर कि उनका मतलब प्रवासियों से था। लेकिन यह सब सुनकर भी उनके एमएजीए समर्थकों ने भड़ककर चीखना-चिल्लाना शुरू नहीं किया बल्कि बहुत शालीनता से केवल तालियाँ बजायीं। ऐसा लगा मानों वे सदमे में थे। ट्रंप अपनी जीत के बाद अमरीका की बदहाली पर दुःख व्यक्त करेंगे, ऐसी उम्मीद उन्हें नहीं थी। शायद ट्रम्प अब भी खुश नहीं है। शायद उन्हें लग रहा है कि इस जीत के बावजूद हैली उनकी राह का कांटा बनी हुई हैं। यह कहना मुनासिब होगा कि हैली ने ट्रंप के नियंत्रण वाली पार्टी में अपने लिए एक मुकाम हासिल कर लिया है। आने वाले दिनों में हमें उनका रूख पता चलेगा। क्या वे भी ट्रम्प के आगे दंडवत हो जाएँगी और सीनेटर मिच मॅककॉनल की तरह ट्रंप का समर्थन करना शुरू कर देंगीं? इन सीनेटर महोदय ने तीन साल पहले, 6 जनवरी की हिंसा के बाद ट्रंप की तीखी आलोचना की थी मगर अब वे उनके साथ हैं। या फिर हैली अपना राजनैतिक करियर रिपब्लिकन पार्टी के सिद्धांतों के अनुरूप बनाएंगीं और पार्टी को ट्रंप के पंजों से मुक्त करवाएंगी? जो भी हो, ट्रम्प अब पक्के तौर पर रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार बन गए हैं।

लेकिन इस बार उन्हें पूरी रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन हासिल नहीं है। जो बाइडन के साथ संग्राम शुरू करने के पहले ट्रंप को अपनी पार्टी को व्यवस्थित करना होगा और उसे अपने पक्ष में करना होगा। जो वे तय मान रहे हैं, उसे रिपब्लिकन भी तय मानें, यह चुनौती अब उनके सामने है

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 12 मार्च 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
5

संक्षिप्त समाचार

सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज गुरु उपकार समारोह मनाया गया

बेजोड़ थे आचार्यश्री : आर्यिका स्वस्तिभूषण

बारां, राजस्थान। जैन नसिया, बारां राजस्थान में परम पूज्या , गणिनी आर्यिका रत्न स्वस्ति भूषण माता जी के ससंघ सान्निध्य में 8 मार्च 2024 को परम पूज्य राष्ट्रसंत, सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज गुरु उपकार समारोह भव्यता के साथ मनाया गया। प्रात: बेला में सराकोद्धारक आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज चरण छत्री के पास आचार्यश्री की पूजन, चालीसा, आरती भक्ति भाव के साथ की गई दोपहर में 1 बजे से आचार्यश्री के प्रति अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखे। ब्र. जयकुमार जी निशान्त भैया, डॉ डी राकेश भैया जी सागर, ब्र अनिता दीदी जी, डॉ संजीव सराफ सागर, डॉ सुनील संचय ललितपुर, वीरचन्द्र जैन, मनीष विद्यार्थी शाहगढ़, अंकित शास्त्री आदि विद्वानों, त्यागी व्रतियों ने आचार्यश्री के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। मुरैना, कोटा, झालरापाटन तथा बारां, नवागढ़ कमेटी के अनेक भक्तों ने भी अपने विचार रखे। अनेक वक्ताओं ने अपने संस्मरण साझा किए। संचालन ब्र. मनीष भैया जी व यशभानु जैन द्वारा किया गया। महिला मंडल बारां के द्वारा सजाई गई द्रव्य सामग्री द्वारा आचार्यश्री की पूजा की गई। इस मौके पर आर्यिका स्वस्ति भूषण माता जी ने कहा कि आचार्यश्री वहाँ से सोचना शुरू करते थे जहाँ हमारी सोच खत्म हो जाती है। वह सबको जोड़ लेते थे और स्वयं जुड़ जाते थे। आचार्यश्री बेजोड़ थे। वह जलते हुए दीपक थे जहाँ भी जाते थे उजाला कर देते थे। उनके आदर्शों पर चलने के लिए हम सभी संकल्पित हों। इस मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

-डॉ सुनील जैन संचय, ललितपुर

भौतिक परिवर्तन का शोध बाहर और आत्मपरिवर्तन का शोध आंतरिक बोध है मुनि श्री महासागर महाराज

गौरेला। सांसारिक विषय कषाय पापवृत्ति से निवृत्त कर जो सन्मार्ग पर प्रवृत्त करे वही सम्यक ज्ञान है। भौतिक परिवर्तन बाह्य घटना है आत्मपरिवर्तन अंतरंग की अनुभूति है।बाहर सुखदुख का साथ है और अंतरंग में प्रवेश करते ही आनंद का सागर लहराता है। स्वयं को निर्णय करना है किधर जाना है और क्या पाना है।रागी धरातल पर,वीतरागी उच्चासन पर विराजमान होता है। तपकल्याणक दिवस पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुये संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के योग्य शिष्य मुनि श्री महासागर महाराज ने कहा कि सम्यक ज्ञानी ही सम्यक दर्शन सम्यक चारित्र का धारक होता है।ये तीनों बहुवचन नहीं एक वचन है सम्यक रत्नत्रय,ये ही मोक्षमार्ग है। अनुपपुर जिला के राजेन्द्रग्राम में श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव के तपकल्याणक दिवस पर निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज, मुनिश्री निष्कंप सागर महाराज व मुनिश्री महासागर महाराज ने रीति नीतिपूर्वक भगवान श्री आदिनाथ की जिनप्रतिमा के दीक्षा की विधि संपन्न की। महोत्सव समारोह में उपस्थित समुदाय को समझाते हुये मुनि श्री महासागर महाराज ने कहा कि सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन सम्यक चारित्र ही मोक्षमार्ग है।ये साधन है साध्य नहीं। हलुआ स्वादिष्ट और मधुर व्यंजन है।इसे शक्कर, आटा व घी के मिश्रण को तपाकर बनाया जाता है।तपकर ये तीनों पदार्थ एक होकर हलुआ हो जाते हैं। हलुआ एकवचन है अब इसमें शक्कर आटा व घी का भेद नहीं कर सकते। इसी भांति सम्यकदर्शन सम्यकज्ञान व सम्यकचारित्र एक होकर सम्यक रत्नत्रय है,एकवचन। ये ही मोक्षमार्ग है। मुनिश्री महासागर महाराज ने भौतिक पदार्थों के परिवर्तनों का अध्ययन शोध वैज्ञानिक करते हैं ये सासांरिक विज्ञान है,बाह्य परिवर्तन है। आत्मशोध वीतराग विज्ञान है,ये अंतरंग परिवर्तन का शोध है।इसका बोध वीतराग विज्ञान का शोधार्थी करता है।आत्म पदार्थ के परिवर्तन की क्रिया है।संसार मार्ग के मोही भोग वासना में सुख तलाशते हैं वीतरागी सन्मार्ग के यात्री परम सुख परमानंद को पाते हैं।यात्री को तय करना उसे किस मार्ग पर चलना है संसार मार्ग पर या सन्मार्ग पर चलकर आत्मशोध आत्मबोध करना है।

वेदचन्द जैन

जाने स्वपनों का फल : संधान सागर जी महाराज

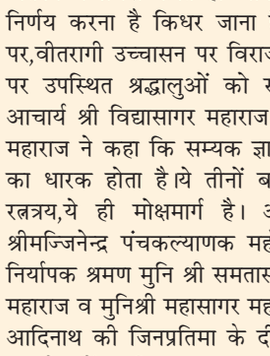

मुनिश्री जी ने कहा कि तीर्थकर प्रभु के गर्भ में आने से पूर्व कुबेर द्वारा प्रतिदिन चार बार रत्नों की वर्षा की जाती है। 15 माह तक लगातार वह रत्न वृष्टि होती है। गर्भ में आने से पूर्व माता को स्वप्न आते हैं। विशेष संतान पराक्रमी - यशस्वी - लोकोवर पुरुषों के जन्म से पूर्व आयें स्वप्न बता देती है? की भावी संतान कैसी होगी । यदि स्वान में सुमेरू पर्वत दिखे तो समझाना आपका पुत्र चक्रवर्ती होगा, यदि सूर्य स्वप्न में दिखे तो संतान तेजस्वी होगी, चंद्रमा दिखें तो आहलादकारी, संताप दुर करने वाला होगा। सागर स्वप्न में दिखे तो गुणों में गम्भीर एवं चारित्रवान होगा आचार्य श्री की मां को भी गुरुदेव के आने से पूर्व स्वप्न में दो चारण ऋद्धि धारी मुनिराज दिखे। इसी का फ्ल हें आने वाली संतान धर्माचार्य धर्म का नेता होंगा। अनेक प्रकार के स्वप्न के फ्ल भी भिन्न-भिन्न हैं

छ.ग.प्रान्तीय अखण्ड ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन व सम्मान समारोह सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। आज जिला दुर्ग में युवक-युवती परित्यक्ता, कात्यायनी परिचय सम्मेलन व सम्मान समारोह भगवान परशुराम जी के पूजा अर्चना व द्वीप प्रज्वलित कर पद्मश्री सम्माननीय अनुज शर्मा जी विधायक धरसिंवा,व सम्मा.श्री गजेन्द्र यादव जी विधायक दुर्ग शहर, श्री कैलाशधर दीवान जी सी एम् डी,, कमलनारायण शर्मा जी, अध्यक्ष सरयूपारीन, ब्राह्मण समाज,प्रवीण तिवारी जी अध्यक्ष आर सी एस कालेज दुर्ग,भारती किरण शर्मा जी, अध्यक्ष, निशा तिवारी जी अध्यक्ष ना.प्र.के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित हुआ परिचय सम्मेलन में महिला पुरुष मिलाकर 240 लोग सम्मिलित हुए आज के कार्यक्रम में 550 की संख्या में अलग-अलग जिलों से आए विप्रजनों की उपस्थिति कार्यक्रम के सफ्लता में चार चांद लगा दिया। डॉ हंसा शुक्ला, आरती दीवान जी,ओम उपाध्याय, दीपाली पाण्डेय,गार्गी शुक्ला, डॉ सीपी दुबे, डॉ आकांक्षा दुबे, श्वेता मिश्रा, स्वप्निल कर्महे,सरला शर्मा, शीला शर्मा,माया शर्मा, श्रेया मिश्रा, निशा आनंद तिवारी,सुमन पाण्डेय 15 लोगो का शिक्षा,वीरता,साहित्य,लेखक, कविता , जर्नलिज्म, गोल्ड मेडलिस्ट, क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान रखने वाले मातृशक्ति व विप्रवरों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में तुलिका तिवारी जिला अध्यक्ष ना प्र,मंयक शर्मा जिलाध्यक्ष दुर्ग, प्रदेश पदाधिकारी भारती तिवारी, ममता तिवारी,आशा शुक्ला,अजय शुक्ला , मुकेश शर्मा, जिला पदाधिकारी दुर्गेश नंदिनी दुबे,आरती शर्मा, आरती शुक्ला, ज्योति द्विवेदी, पूनम शर्मा, अनिता शर्मा,शिखा मिश्रा,सविता शर्मा, संगीता उपाध्याय, गीतांजलि तिवारी,इंदू दुबे,मंजूला तिवारी, मनोरमा पाण्डेय, संध्या तिवारी,सुमन पाण्डेय, सुप्रिया तिवारी, विद्या पाण्डेय, मोनिका दुबे,देविका दुबे, रानी दुबे ,अनिता पाण्डेय,रानी उपाध्याय, कल्पना जोशी,नीतू शर्मा, श्यामा चौबे व समस्त दुर्ग पदाधिकारियों ने अतुलनीय योगदान से कार्यक्रम सफ्ल हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश पदाधिकारी विजय लक्ष्मी शर्मा,, डॉ सरिता दुबे,प्रीति शुक्ला,सरिता तरूण शर्मा,सुनीता मिश्रा,शजिन्ता शुक्ला,मेघराज तिवारी ,रश्मि शर्मा, वन्दना तिवारी बिलासपुर, वन्दना तिवारी राजनांदगांव, श्वेता शुक्ला, कमलेश शर्मा, मुकेश शर्मा, ईश्वर प्रसाद शर्मा,पं.राजू महराज जी, पूर्णानंद महराज,गौरव दुबे,प्रकाश दुबे, हितेश तिवारी,सौरभ पाण्डेय, हेमलता शुक्ला,रानी दुबे,अलका दीवान, कृतार्थ शर्मा, जगन्नाथ तिवारी, राहुल पंडित, बद्रीनाथ तिवारी, सुषमा शुक्ला,सुहानी शर्मा संतोष उपाध्याय, बबलू उपाध्याय,तोषानंद शुक्ला,सतीश शर्मा जी,अनुरमा शुक्ला व अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता व विप्रजनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन पं अजय शुक्ला, प्रीति शुक्ला, ज्योति द्विवेदी, संजय शुक्ला द्वारा किया गया। पं अजय शुक्ला, प्रीति शुक्ला, ज्योति द्विवेदी, संजय शुक्ला द्वारा किया गया। यह जानकारी संगठन के प्रदेश संचेतक एवं मीडिया प्रभारी कमलेश शर्मा जी के द्वारा दिया गया।

द लंदन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड सम्मान से सम्मानित हुई इंदौर की सांस्कृतिक धरोहर श्रीमती साधना मादावत जैन

दिनांक 8 मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के स्वर्णिम अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वूमन्स अचीवर्स अवार्ड 2024:

मुंबई (महाराष्ट्र)। लंदन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड इंदौर की श्रीमती साधना मादावत जैन रंगशाला प्रॉडक्शन को प्रदान किया गया इस अवॉर्ड के लिए अपने अपने क्षेत्र की विशिष्टता को लिए 48 महिलाओं को चुना गया ।

लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड अवॉर्ड डॉ ईवान गैसिमा यूरोपियन यूनियन हेड रिपब्लिक ऑफ क्रोएशिया द्वारा दिया जाता है,डॉ अविनाश डी सकुंडे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय चेयरमैन हैं ।

अवॉर्ड समारोह परमपूज्य आचार्यश्री पुष्पदंत सागर जी व आचार्यश्री डॉ प्रणामसागर जी महाराज ससंघ की पावन उपस्थिति में मुंबई में वडाला में सम्पन्न हुआ , समारोह में दिगम्बर जैन ग्लोबल महासभा अध्यक्ष श्री जमनालाल जी हापावत व महिला फ़ेरम की अध्यक्षा श्रीमती सुजाता जी शाह नीति आयोग की श्रीमती अर्चना जी जैन वरिष्ठ समाज सेवी श्री पी सी जैन व अन्य कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, इंदौर की श्रीमती साधना मादावत (रंगशाला) को उनके विशेष योगदान और उद्दीपन को देखते हुए नारी रत्न सम्मान भी प्रदान किया गया , आयोजन पंचकल्याणक वडाला मुम्बई में परम पूज्य आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी वी आचार्य श्री डॉ प्रणाम सागर जी महाराज जी महाराज ससंघ पावन सानिध्य एवम ग्लोबल महासभा के अध्यक्ष श्री जमनालाल जी हापावत व महिला अध्यक्ष सुश्री सुजाता जी शाह के संयोजन में संपन्न हुआ सम्मान मुख्य अतिथि नीति आयोग की सुश्री अर्चना जी जैन व लंदन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड के सदस्य द्वारा प्रदान किया गया । राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा से हुई एक स्नेह भेट में श्रीमती साधना मादावत जैन ने इस विषय पर हर्ष जताते हुए कहा, यह सम्मान मेरे लिए बहुत ही गौरव और प्रेरणा का विषय है। मैं इस सम्मान को उन सभी महिलाओं को समर्पित करती हूं जो समाज में बदलाव लाने के लिए काम कर रही हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें समाज में एक सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए किए जा रहे कार्यों को जारी रखूंगी। महिलाओं में असीम क्षमताएं होती हैं। उन्हें केवल अपनी शक्तियों को पहचानने और उनका उपयोग करने की आवश्यकता होती है। मैं सभी महिलाओं से आग्रह करती हूं की वे अपनी सांस्कृतिक रुचि , शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वावलंबन पर ध्यान दें। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए डरें नहीं अपनेपरिवार का साथ लेकर अपने सपनों को पंख दे ।

108 जैन श्रद्धालुओं ने दिया दिगम्बर जैन मुनिराज को आहार, उत्साहित दिखी भीड़

'हे स्वामी नमोस्तु...' से गूंज उठा श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर

पटना: हे स्वामी नमोस्तु नमोस्तु नमोस्तु... से सैंकड़ों की संख्या में मौजूद जैन श्रद्धालु जयघोष कर रहे थे। यह अलौकिक दृश्य तब देखा गया जब रविवार को एक दिगम्बर जैन मुनिराज कदमकुआँ कांग्रेस मैदान स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से भगवान के दर्शन कर आहार के लिये नियम मुद्रा धारण कर श्रद्धालुओं के बीच पहुंचे। उत्साहित पुरुष, महिलायें, युवा, बच्चे सभी 108 श्रद्धालुओं की भीड़ जैन आचार्य ध्यान दिवाकर श्री 108 जयकीर्ति जी महाराज को आहार ग्रहण करने के लिये निवेदन पूर्वक आग्रह (पड़गाहन) कर रहे थे। फ़िर पूज्य गुरुदेव को जब विधि मिल गई तो श्रद्धालुओं ने परिक्रमा लगाया और भक्ति-भाव पूर्वक जैन संत की आहारचर्या सानंद सम्पन्न कराया।

बता दें कि कांग्रेस मैदान पार्श्वनाथ जैन मंदिर परिसर में 10 दिवसीय श्री जैन रामायण कथा महोत्सव का आयोजन चल रहा है। जिसको लेकर विशिष्ट राम कथाकार अनुष्ठान विशेषज्ञ परम पूज्य ध्यान दिवाकर मुनि प्रवर 108 श्री जयकीर्ति जी महाराज पटना प्रवास पर हैं। जैन आचार्य के पावन सानिध्य में इन दिनों विशेष तौर पर जिनालाय में धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। वहीं आहार चर्या के दौरान बारी-बारी से सभी श्रद्धालुओं ने जैन संत को आहार दिया। जिसको लेकर सभी उत्साहित दिखे। जयकारा गुरुदेव का जय जय गुरुदेव का जयघोष करते धर्म पताका लहराते जैन समाज नज़र आये।

प्रवीण जैन ने बताया कि दिगम्बर जैन संत 24 घण्टे में एक बार आहार-जल ग्रहण करते है। वो भी खड़े होकर अपने हाथों के अंजुली में सादगी पूर्वक आहार करते है। जैन मुनि की जीवन कठिन तप, त्याग, साधना की होती है। आज हम सकल पटना जैन समाज खुद को धन्य मान रहे है ऐसे पूज्य गुरुदेव का चरण हमारे पाटलिपुत्र नगर में पड़ा है।

इस अवसर पर जैन युवा जागृति मंडल के आशीष जैन, प्रवीण जैन, कार्तिक जैन, वरुणा जैन, ईशा जैन, सम्यक जैन, साहिल जैन, उमंग जैन, कीर्ति जैन समेत काफी संख्या में जैन समाज उपस्थित थे।

पतन जो होता है वह अनायास हो जाता है- निर्यापक श्रमण मुनि श्री समयसागरजी महाराज

जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण श्री समयसागरजी महाराज का चल रहा है कुंडलपुर की ओर विहार

सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में होने जा रहा है विशाल संत समागम --विजय धुर्रा

वाला घाट-- पतन जो होता है वह अनायास हो जाता है

आप लोग पहाड़ पर चढ़ते हैं पुरुषार्थ करके ऊंचाई तक पहुंच जाते हैं थोड़ी भी असावधानी हो जाये तो पहाड़ से नीचे भी आ सकते हैं पहाड़ से नीचे आने में समय नही लगता इसी प्रकार संसारी प्राणी का निरन्तर विषयों के कारण ही पतन हो रहा है और विषयों से यदि हम वचते है विषयों को कष्यो हम संसार के लिए कारण मानकर के आहित के लिए कारण है इस प्रकार श्रद्धान का विषय बनाते हुए उसमें अपनी शक्ति के अनुरूप उन विषय कष्यो से दूर होकर के, करना कुछ नहीं है वल्कि अभी तक जो किया है उसे नहीं करना उक्त आश्य केउद्गार जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमणमुनि श्रीसमयसागरजी महाराज ने व्यक्त किए

साधु संतों का संघ सहित चल रहा है कुंडलपुर की ओर विहार --विजय धुर्रा

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण मुनिश्री समयसागरजी महाराज मुनिश्री साश्वत सागर जी महाराज मुनिश्री श्री मल्लि सागर जी महाराज ससंघ बारह पिच्छिकाओ के साथ सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर की ओर पद विहार कर रहे मुनि श्री वाला घाट से चंग टोला होते हुए नैनपुर होते हुए आगे बढ़ते कदम दर कदम सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर की ओर विहार कर रहे हैं जहां आगामी समय में विशाल संत समागम होगा जहां आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज द्वारा दिक्षित साधु संतो का विशाल समागम देखने का हम सभी को सौभाग्य प्राप्त होगा इस हेतु भारत वर्ष के अनेक शहरों कस्बों नगरो से संतों साधु संघों का विहार सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर की ओर चल रहा है

धर्म का अति संक्षिप्त स्वरूप क्या है इसे आचार्य श्री ने बताया- इस दौरान जेष्ठ श्रेष्ठ निर्यापक श्रमण ने कहा कि आचार्य भगवंत के पास एक सज्जन पहुंचे और निवेदन करने लगे कि महाराज मुझे बहुत जल्दी है अच्छा जल्दी है मेरी गाड़ी बाहर खड़ी है अति संक्षेप में धर्म का स्वरूप वातायेगे तो गुरु देव कहते हैं आप संक्षिप्त कहते हैं तो अति संक्षेप में धर्म के स्वरूप को समझायेंगे धर्म का स्वरूप और कुछ नहीं है जो अभी तक अच्छा लगा है वह तो अधर्म रहा और जो अभी तक अच्छा नहीं लगा वहीं धर्म है इस प्रकार धर्म का स्वरूप है पाप मय परिणत हमारे लिए शत्रु है और रत्नात्रय धर्म हमारे लिए वंधु के रूप में हैआप लोग जहां पर रहते आपका परिवार आस-पड़ोस ये सब मेरा है इस प्रकार की धारणाएं होती है वे कर्म के उदय में होती है

अनंत काल के लिए शान्ति की प्राप्ति हो ऐसी भावना है- उन्होंने कहा कि इस प्रकार की धारणाएंओ को समाप्त करके हमारे लिए कोई वंधु है तो देव? शास्त्र गुरु ही हमारे लिए वंधु है अहिंसा धर्म ही हमारे लिए वंधु है

और विषय कष्यो का रूप है वह हमारे लिए शत्रु है इनसे वचने का उपाय रत्नात्रय रुप धर्म है उसकी आराधना करते हुए उन्नति की ओर ले जाता है इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति अपने अपने परिणामों की उन्नति का पुरूषार्थ करते हुए जिसके माध्यम से अनंत काल के लिए शान्ति की प्राप्ति हो सकती है हो ऐसी भावना है

इसके पहले आचार्य भगवंत गुरुवर श्री विद्यासागर जी महाराज की महा पूजन का सौभाग्य यशा जैन श्री मति रीना जैन सहित अन्य भक्तों को मिला इस दौरान वाला घाट समाज के अध्यक्ष शुशील जैन पूर्व अध्यक्ष दीपक जैन सन्मति जैन श्री मति प्रिंसी जैन कोलारस सहित अन्य भक्तों ने पूज्य श्री को श्री फ्ल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 12 मार्च 2024

संक्षिप्त समाचार

पिथौरा पुलिस ने जब्त किया लाखों का गांजा

पिथौरा(विश्व परिवार)। पिथौरा नेशनल हाइवे टोल प्लाजा के पास मुखबिर की सूचना से पेट्रोलिंग पार्टी को जानकारी मिली कि उड़ीसा से गांजा आ रहा है. जिसके बाद चेकिंग के दौरान पुलिस ने गांजे के साथ धरदबोचा. पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि ओडिशा से रायपुर गांजा छोडने का मुझे पांच हजार दिया गया. आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्रवाई की गई. जानकारी के अनुसार, ओडिशा से गांजा खरीदकर अन्य राज्यों में 10 गुना अधिक कीमतों में बेचा जाता है. जिसके चलते लगातार ओडिशा से गांजा परिवहन का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। नशे के खिलाफ इसे पुलिस की बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। पुलिस ने तस्करों के पास से 96 किलो गांजा जब्त किया है. जब्त गांजे की कीमत 7 लाख 68 हजार बताई जा रही है. पुलिस आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

कटघोरा के एतमानगर जंगल में हाथियों ने जमाया डेरा

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कटघोरा वनमंडल के एतमानगर रेंज के जंगल में हाथियों के दल ने डेरा जमा दिया है। यहां के कठमोरगा व कोदवारी क्षेत्र में 39 हाथियों का दल सक्रिय है। दल में आधा दर्जन शावकों के होने के कारण पिछले कई दिनों से यहां विचरण कर रहा है। क्षेत्र में पानी व चारा की पर्याप्त व्यवस्था होने तथा दल में शावकों के कारण इस क्षेत्र को हाथियों ने अपना बसेरा बना लिया है। वन विभाग के सूत्रो के मुताबिक हाथी यहां स्थित पहाड़ में अधिकांश समय जमे रहते हैं। केवल पानी पीने के लिए पहाड़ से नीचे उतरते हैं और इसके बाद फिर वापस पहाड़ पर चढकर अपना डेरा जमा देते हैं।

किसान के घर में लगी आग

बलौदाबाजार(विश्व परिवार)। गिधपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम सांहडा में बीती रात किसान ईश्वरी साहू के घर भीषण आग लग गई। जिससे घर में रखे रोजमर्रा ऊपयोग की वस्तुओं के साथ ही कुछ दिन बाद घर में होने वाली शादी के लिए रखा सामान भी जलकर राख हो गया है। आग की लपटें इतनी भयानक थी कि किसान परिवार को सामान बचाने का मौका ही नहीं मिला। गिधपुरी थाना प्रभारी से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सांहडा के किसान ईश्वरी साहू के घर देर रात आग लगी थी। जिसे ग्रामीणों और फायर ब्रिगेड की मदद से बुझाया गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। साथ ही कितनी क्षति हुई है इसका पता भी रात अधिक होने की वजह से नहीं चल पाया। फिलहाल घटनास्थल की जांच की जा रही है, जिसके बाद क्षति का आकलन किया जाएगा।

खदान से काम खत्म कर घर लौट रहे कर्मचारी पर भालुओं ने किया हमला

कोरबा(विश्व परिवार)। खदान से काम खत्म कर घर लौट रहे कर्मचारी पर मादा भालुओं ने हमला कर दिया। कर्मी बुरी तरह जख्मी हुआ है। जानकारी के मुताबिक कोरबी चैकी क्षेत्र के ग्राम सलईगोट भुजंगकछार स्थित खुली कोयला खदान से ड्यूटी कर रात करीब 10 बजे लखन सिंह पिता मानसिंह गोंड़ 22 वर्ष घर लौट रहा था इस दौरान रास्ते में घात लगाकर बैठे तीन भालुओं ने उस पर हमला कर दिया। भालुओं के हमले से लखन के सिर, चेहरा, पैर, पेट व पीठ में काफी गंभीर जख्म आये हैं। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को होते ही खदान प्रबंधन को सूचना दी गई। बालको चोटिया-2 खदान में संचालित एम्बुलेंस के जरिए लखन को उपचार के लिए पोड़ी उपरोड़ा स्वास्थ्य केन्द्र रवाना किया गया। प्राथमिक उपचार बाद उसे जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया।

महुआ वन क्षेत्र में नर हाथी की हुई मौत

बलरामपुर(विश्व परिवार)। जिले के वाड्रफनगर वन परिक्षेत्र में बीते एक माह से 35 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। वही इस बीच जानकारी है कि इस दल में से एक हाथी की मौत हो गई है, जिसके बाद से वन विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि वन परिक्षेत्र वाड्रफनगर के फोकली महुआ वन क्षेत्र में हाथी की मौत हुई है। वही मौके पर मौजूद वन अमला मौत की वजह पता लगाने में जुट गई है। तीन डाक्टरों की टीम डीएफओ के समक्ष हाथी का पोस्ट मार्टम करने की तैयारी में जुटी है। साथ ही जानकारी है कि हाथी के शरीर पर किसी प्रकार का कोई चोट का निशान नजर नहीं आ रहा है। उक्त मामले में उप वनमण्डलाधिकारी का कहना है कि नर हाथी की मौत किस कारण से हुई है, इसका पता पीएम रिपोर्ट आने पर ही पता चल सकेगा। फिलहाल ग्रामीणों को हथियों के दल से दूर रहने की सलाह दी जा रही है।

महिला समूहों ने हर्बल रंग-गुलाल तैयार करने दिखाई सक्रियता

विभिन्न क्षेत्रों में इसकी अच्छी डिमांड है

कोरबा(विश्व परिवार)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के द्वारा लोगों के आर्थिक स्वावलंबन को लेकर शुरू किये गए स्टार्टअप के काफी अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में समूहों ने हाथ आजमाने के साथ सफलता प्राप्त की। कोरबा जिले में महिलाओं के कई समूह ऐसे काम से जुड़े हैं। होली त्योहार के मद्देनजर महिला समूहों ने हर्बल रंग-गुलाल तैयार करने पर सक्रियता दिखाई है। विभिन्न क्षेत्रों में इसकी अच्छी डिमांड है। रंगों का त्योहार होली नजदीक हो और पलाश के फूलों की बात ना हो, तो ऐसा संभव नहीं है। हिन्दू धर्म में अनादिकाल से प्रत्येक ऋतु में ऋतु के अनुसार, उत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है. इसी तरह बसंत ऋतु में बसंत उत्सव को हम सभी होली के रूप मे मनाते है। बसंत ऋतु में प्रकृति का वातावरण सुहावना हो जाता है। इस समय न तो ज्यादा गर्मी होती है और न ही ज्यादा ठंड. पुराने समय में अलग-अलग रंगों को उड़ाकर बसंत उत्सव मनाया जाता था। तभी से होली पर रंगों से खेलने की परंपरा शुरू हुई है। पुराने समय में होली के लिए फूलों से रंग बनाए जाते थे। फूलों से बने रंग त्वचा के लिए लाभदायक होते हैं। रंग बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले फूल में सबसे विशेष महत्व रखता है, पलाश जिसके फूल वसंत ऋतु के आगमन का संकेत देते हैं। जिले में कटघोरा, धंवईपुर, ढोढ़ीपारा, मुकुंदपुर, बुंदेली सहित कई गांव में महिला समूहों ने हर्बल से बने रंग गुलाल निर्माण की तरफ काम शुरू किया है। पिछले वर्षों में इन्हें जो कमाई हुई उससे उनका उत्साह दोगुना हुआ है। आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉक्टर नागेंद्र नारायण शर्मा ने बताया कि पलाश के फूल और पत्तियों का आयुर्वेद में विशेष महत्व बताया गया है. अनेक रोगों में इसका अलग-अलग प्रकार से इस्तेमाल किया जाता है। लाल रंग की इस खूबसूरत फूल से घर पर ही रंग या गुलाल बनाकर होली खेलने पुरानी परंपरा रही है. वर्तमान में लोग बाजार से केमिकल युक्त गुलाल का इस्तेमाल करते हैं। घर पर ही आने वाली होली के लिए पलाश के फूलों से हर्बल गुलाल या रंग बना सकते हैं। इस गुलाल आपकी त्वचा को अलग चमक मिलेगी और साथ ही वातावरण सुगंधित उठेगा। लाल रंग के खूबसूरत पालश के फूल को इकटठा करने के बाद उसे सुख ले और उसके बाद जब वह सुख जाए तो उसे उबल ले.मात्रा का भी ख्याल रखें की 2 लीटर पानी के लिए काम 200 ग्राम पलाश के फूल का इस्तेमाल करें। पानी में पलाश के फूल को उबालने के बाद आपको नजर आएगा कि पानी का रंग केसरिया हो जाएगा। अब इसका इस्तेमाल होली में रंग के रूप में कर सकते हैं. साथ ही आप पलाश के फूल से घर पर गुलाल भी बना सकते हैं सबसे पहले पलाश के फूल को सुख ले और बारीक पीस ले। सूखे हुए फूल को पीसने के बाद पाउडर को कपड़े से छान कर इसका गुलाल के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

महिला दिवस पर गेवरा में महिला बाइक रैली का हुआ आयोजन

कोरबा(विश्व परिवार)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गेवरा में महिला बाइक रैली का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं का सम्मान भी किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस नारी शक्ति का उत्सव महिलाओं के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं को उनकी क्षमता सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक तरक्की दिलाने व उन महिलाओं को याद करने का दिन है। गेवरा में नागरिक सुरक्षा सेवा संगठन की प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष समाजसेवी सारिका यादव के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में बाइक रैली का आयोजन गेवरा स्टेडियम में किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न कार्य क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं शामिल हुईं। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी महिलाएं डॉक्टर, स्टाफ नर्स, शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाने वाली टीचर्स, ऑफिशियल स्टाफ समाजसेवी, गृहणी, राजनीतिक क्षेत्र से जुड़ी महिलाओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण को लेकर अपने अपने विचार प्रकट कर महिला उत्थान के विषय को बड़ी प्रमुखता से रखा। बाइक रैली कार्यक्रम का शुभारंभ गेवरा स्टेडियम से किया गया था, जहां उपस्थित सभी महिलाओं ने स्कूटी बाइक से कॉलोनी भ्रमण कर महिलाओं को पुरुषों के बराबर दर्जा दिलाने के लिए नारी शक्ति जिंदाबाद के साथ जय घोष भी किया।

माड़ में नए सुरक्षा कैंप बनने से ग्रामीणों की सोच में बदलाव

नारायणपुर(विश्व परिवार)। नक्सल प्रभावित क्षेत्र जहाँ सभी घर फूस के बने हैं, और उनकी बांस की दीवारें, लकड़ी के अस्थिर लट्ठों से टिकी हुई हैं, यहां कभी न हैंडपंप थे, न बिजली के खंभे, न स्कूल, न अस्पताल, यहां तक कि ग्राम पंचायत भवन भी नहीं। यहां के लोगो ने मोटरसाइकिल की आवाज भी शायद ही कभी सुनी हो । लेकिन बीते कुछ दिनों से सुरक्षा बल इन क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे है, जिसके माध्यम से वह स्थानीय निवासियों के दिलों में सुरक्षा की भावना जगाने में सफल हुए है तथा क्षेत्र में विकास कार्यो को सुरक्षा प्रदान कर अपनी प्रतिबद्धता को साबित कर रहे है। इस कड़ी में नारायणपुर के डोंडरीबेड़ा में सुरक्षा बलो ने नया कैंप स्थापित किया। जिसके बाद से प्रशासन द्वारा माड़ क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से सुरक्षा बलो की निगरानी में मासपुर से सोनपुर तक पक्की सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है। इस सड़क का निर्माण होने से मेटानार, गारपा, ब्रहबेड़ा, ईरपनार, अलहनार और डोंडरीबेड़ा सहित दर्जनों गाँवो के लोग जो पहले जंगल झाड़ियों में बनी पगडंडियों तथा कच्चे रास्तो पर पैदल चलने को मजबूर थे, जंहा उन्हे नदी - नाले तथा पहाड़ियों जैसी कठिनाईयो का सामना करना पड़ता था वे अब साइकिल, मोटर साइकिल और अन्य वाहनों इस्तेमाल कर कम समय में अपना रास्ता तय कर सकेंगे और शहरों से जुड़ पाएंगे। यातायात सुगम होने से स्थानीय लोग नए व्यवसायो से जुड़कर अपनी आजीविका के साधन बढ़ा पाएंगे। कैंप के स्थापित होने के बाद से ही समुदाय के लोग काफी खुश तथा साहसिक नजर आ रहे है तथा पुलिस प्रशासन के पास खुलकर इस विकास की तारीफ कर रहे है।

शासनादेश का खुला उल्लंघन, अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर किया पदस्थापना आदेश जारी

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले का शिक्षा विभाग भ्रष्टाचार का गढ़ है इनके नीति नए कारनामे सामने आते रहते हैं इन्हीं कारनामों में शुमार एक और नया कारनामा या कहें बेशर्मी की हद पार हो गई है उच्च अधिकारियों के आदेश को अधीनस्थ अधिकारी धता बता रहे हैं और अपने मन माफी आदेश जारी कर रहे हैं इस बात से बेखबर की इससे प्रशासन व शासन की छवि लोगों के बीच कैसी बनेगी मामला है जिले के हाईप्रोफाइल खेलगढ़िया घोटाले में संलिप्त पूर्व डीएमसी श्याम चंद्राकर का जिनको सरकार ने कुछ माह पूर्व निलंबित किया था। इनको निलंबन से बहाल कर संचालक लोक शिक्षण ने पुन: जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सहायक संचालक के पद पर आदेशित किया। वही जब पता चला कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय गरियाबंद में सहायक संचालक का पद रिक्त नहीं है, तो आनन -फानन में फिर आदेश संशोधन कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सांख्यिकीय अधिकारी के पद पर आदेश कर दिया गया। इसके बावजूद की सरकार के शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव के आदेश अनुसार जिले के समस्त शिक्षकों को जो की अटैचमेंट के तहत कार्य कर रहे थे उनको उनके मूल शाला में भेज दिया गया है शिक्षा सचिव के इस आदेश को भी पलीता लगाते हुए सहायक संचालक ने उक्त शिक्षक को स्कुल भेजने के बजाय फिर से गैर शिक्षक की कार्य कराते हुए जिला शिक्षा कार्यालय में कार्य करने के आदेश दिए जो की उच्च अधिकारियों के आदेश की कैसे ठेंगा दिखाया जाता है यह दर्शाता है ।

शासनादेश का खुला उल्लंघन- छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट उल्लेख है कि गैर शैक्षणिक कार्यों में संलग्न शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थापना हेतु कार्यमुक्त किया जाय। शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों का संलग्नीकरण तत्काल समाप्त किया जाकर, उन्हें उनके मूल पदस्थापना शाला में अध्यापन कार्य हेतु कार्यमुक्त किया जाये।साथ ही संलग्नीकरण समाप्त किये जाने संबंधी प्रमाण पत्र 07 दिवस के भीतर संचालक, लोक शिक्षण को अनिवार्यत: प्रेषित करें। इसका कड़ाई से पालन किया जाने के निर्देश जारी किए गए थे।

गौरतलब हो कि सरकार ने शिक्षकों के संलग्नीकरण समाप्त कर वापस स्कूल भेज रही है ताकि शैक्षणिक कार्य और गुणवत्ता बनाया जा सके। वहीं दूसरी तरफ वहीं व्याख्याता श्याम चंद्राकर को येन केन प्रकारण जिला कार्यालय में पदस्थ कर दिया गया।

उच्च कार्यालय द्वारा एक व्याख्याता को बेजा लाभ दिलाने अपने ही आदेश को पलट रही है वो शिक्षक जो विवादित और दागी है जिस पर भ्रष्टाचार के दाग लगे है जिस पर विभागीय जाँच अभी पूरी नहीं हुई है, उसको पुन: जिला कार्यालय में पदस्थ कर दिए जाने से शासन की कथनी और करनी में अंतर नजर आ रहा। भ्रष्ट दागी, विभागीय जांच का सामना कर रहे व्याख्याता को डीईओ कार्यालय में पदस्थ करने से संचालक के उस आदेश पर सवाल उठ रहे हैं जिस आदेश के तहत पूरे राज्य में संलग्नीकरण समाप्त करने का आदेश जारी किया गया है। यदि इसी तरह से संलग्नीकरण समाप्ति के आदेश की धज्जियां उच्च कार्यालय से ही उड़ती रहेंगी तो फिर निचले स्तर पर उस आदेश का पालन कराना और कठिन हो जायेगा इसलिये इस आदेश का विरोध में स्वर उठने लगे हैं।

क्या जांच प्रभावित नहीं होगी ? - खेलगढ़िया मामले में आरोपी विभागीय जांच का सामना कर रहे शिक्षक को बहाल कर डीईओ ऑफिस में पदस्थ करने पर क्या जांच प्रभावित नहीं की जाएगी ? क्या जांच में गवाहों पर दबाव नहीं बनाया जाएगा क्या दस्तावेज को सुरक्षित रखा जा सकेगा? ऐसे कई सवाल है जो की जांच का सामना कर रहे उक्त व्याख्याता को मदद पहुंचते हुए भ्रष्टाचार को संरक्षण देने संचालक लोक शिक्षण के आदेशों पर उंगली उठाई जा रही है और उनकी मंशा पर भी सवालिया निशान खड़ा करता है बहाल करने के पश्चात उक्त शिक्षक को उसके शिक्षक के कार्य हेतु मूल स्कूल के लिए आदेशित किया जाना चाहिए था । कल को खेलगढ़िया मामले मे आरोप पत्र जारी करने के निर्देश है, युक्त व्याख्याता को दो बार पहले भी जाँच के दौरान दोषी पाया गया था।

मामले में राजनीतिक संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता- राजनीतिक संरक्षण प्राप्त उक्त अधिकारी द्वारा कांग्रेस शासन काल में भी खेलगढ़िया जैसे मामले में भारी भ्रष्टाचार करने के बाद भी अधिकारियों नेताओं से गठजोड़ कर जांच प्रभावित करने की कोशिश की गई आखिरकार भाजपा शासन आते ही उनके विरुद्ध सस्पेंशन जैसे कार्यवाही की गई किंतु कुछ छुटभैया व चाटुकार नेताओं के संरक्षण में भाजपा में भी इस अधिकारी ने सेंध लगा ही डाली और सुचिता की बात करने वाली इस पार्टी के आचरण पर भी सवाल खड़ा कर दिया। लोगों ने दबी जुबान यह कहना भी शुरू कर दिया है कि इस मामले में भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं पार कर दी है और अच्छा खासा लेनदेन कर मामला सेटल किया गया है ।

ऐसे मे केंद्र की मोदी सरकार सहित प्रदेश के साय सरकार के क्रिया कलापो पर भी सवालिया निसान उठ रहे है ऐसे अधिकारी और नेता जनता पर विश्वास बना पाएंगे या नहीं लग पा रहा है । अधिकारी अपना खेल खेल रहे हैं और नेता अपने में मस्त है ।

खेलगढ़िया में भ्रष्टाचार कि जांच का क्या होगा ? - जानकारों का कहना है कि नियम के तहत है लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा बहाली की गई। किंतु पदस्थापना आदेश जारी करने का अधिकार स्कूल शिक्षा विभाग सचिव को है । संचालक का अधिकार ही नही की वह पद स्थापना आदेश जारी करे।

खेलगढ़िया में भ्रष्टाचार कि जांच मे भी विभाग कर रहा लीपापोती - बताते चले की खेलगढ़िया मामले में तात्कालिक डीएमसी रहे श्याम चंद्राकर को भ्रष्टाचार के मामले में शासन द्वारा जारी निर्देश पर संचालक लोक शिक्षण द्वारा निलंबित किया गया था। बहली किए जाने उपरांत विभागीय जांच संस्थित मामले में आरोप पत्र जारी किया गया जिसमें भारी त्रुटि है आरोपी को बचाने का भरपूर प्रयास करते हुए गवाहों की सूची ही बदल दी गई इस मामले में आरोप पत्र अनुसार कलेक्टर को गवाह बनाया गया है जिसमें कोई नाम नहीं है केवल पदनाम को गवाह बनाया गया है जबकि कार्यवाही के दौरान जितने भी बी आर सी सी सहित जांच में संलग्न अधिकारियों को गवाही के रूप में शामिल नही किया गया है किंतु प्राय कलेक्टरों को पुराने मामलों के बारे में जानकारी नहीं होती है तो उन्हें गवाह बनाकर विभाग ने आरोपी को बचाने का पूरा प्रयास किया है।

इस मामले को संज्ञान में लेकर शिक्षा विभाग की छवि धूमिल करने वाले भ्रष्ट दागी, विभागीय जांच का सामना कर रहे व्याख्याता का संलग्नीकरण समाप्त कर संदेश दिया जाना चाहिए कि, यह सरकार जीरो टॉलरेंस के सिद्धांत पर चलते हुए संलग्नीकरण समाप्त करने के अपने आदेश पर कायम रहेगी । या राज्य कि जनता से भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने का वादा करने वाले बीजेपी के कटनी और करनी में फर्क है । क्या प्रशासनिक भ्रष्टाचार यूं ही जारी रहेगा ।

व्यापार समाचार

महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर रेलवे ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नई दिल्ली(एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर रेलवे के पांच स्टेशनों को पिंक स्टेशन घोषित किया गया तथा इन स्टेशनों पर महिला स्टाफ द्वारा ट्रेनें चलाई जा रही हैं। महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को चिह्नित करने और महिला समानता के बारे में जागरूकता लाने, लैंगिक समानता बढ़ाने के लिए हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों को उजागर करना है। समारोह के हिस्से के रूप में, उत्तर रेलवे के पांच स्टेशनों यथा फिरोजपुर मंडल पर फिरोजशाह, अंबाला मंडल पर मोहाली, लखनऊ मंडल पर मल्हौर तथा मानक नगर और दिल्ली मंडल पर दिल्ली सफदरजंग को पिंक स्टेशन घोषित किया गया है। इन सभी स्टेशनों पर महिला कर्मचारियों द्वारा ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इन स्टेशनों का प्रबंधन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। गार्ड, सहायक स्टेशन मास्टर, लोको पायलट और आरपीएफ की ड्यूटी भी महिला कर्मचारियों द्वारा निभाई जा रही है। पिंक स्टेशन, रेलवे में एक नई पहल है। ये स्टेशन केवल महिला कर्मचारियों द्वारा चलाए जाते हैं और उनके द्वारा ही प्रबंधित भी किए जाते हैं। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने का अच्छा तरीका है क्योंकि यह महिला कर्मियों और यात्रियों के लिए एक सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराता है। यह पहल ऐसे लोगों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के साथ ही साथ सहायक समुदाय बनाने के लिए एक मंच प्रदान करने का भी माध्यम हैद्य

इस सप्ताह 27 भारतीय स्टार्टअप ने करोड़ डॉलर की फंडिंग जुटाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में कम से कम 27 स्टार्टअप ने इस सप्ताह लगभग 30.78 करोड़ डॉलर जुटाए, जिसमें 17 शुरुआती चरण और सात विकास-चरण वाली कंपनियां शामिल हैं। लगभग 32 शुरुआती और विकास-चरण वाले स्टार्टअप ने पिछले सप्ताह 38.4 करोड़ डॉलर से अधिक जुटाए। सत्रह प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप ने लगभग 16.68 करोड़ डॉलर जुटाए, जैसे कि एमपॉकेट, इमा, हंच और रोजाना व अन्य। दिल्ली-एनसीआर स्थित स्टार्टअप्स ने 10 सौदों के साथ फंडिंग का नेतृत्व किया, इसके बाद 9 सौदों के साथ बेंगलुरु का स्थान रहा। डिजिटल ऋण देने वाले प्लेटफॉर्म एमपॉकेट ने बीपीईए क्रेडिट के निजी क्रेडिट प्लेटफॉर्म से 500 करोड़ रुपये (लगभग 60 मिलियन डॉलर) की ऋण पूंजी जुटाई। एमपॉकेट ने कहा कि फंड का उपयोग कैरियर एक्सेलेरेटर और बीमा वर्टिकल में उत्पाद विकास में तेजी लाने के साथ-साथ अपने 2.4 करोड़ पंजीकृत ग्राहक आधार से बढ़ती क्रेडिट मांग को पूरा करने के लिए किया जाएगा। ग्रामीण ई-कॉमर्स स्टार्टअप रोजाना को नवीनतम फंडिंग राउंड में 2.25 करोड़ डॉलर मिले। इस दौर का नेतृत्व निवेश फर्म बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेंट्स (बीआईआई) ने किया, जिसमें वीसी फर्म फायरसाइड वेंचर्स और मौजूदा निवेशकों की भागीदारी थी। रोजाना के सीईओ और सह-संस्थापक अंकुर दहिया ने एक बयान में कहा, इस फंडिंग के साथ हम नए जिलों तक पहुंचने और ग्रामीण समुदायों को आवश्यक उत्पादों तक पहुंच के साथ सशक्त बनाने के लिए अपने लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखेंगे। जेनेरेटिव एआई समाधान प्रदाता ईएमए ने 2.5 करोड़ डॉलर के फंडिंग राउंड और एक नए यूनिवर्सल एआई कर्मचारी के लॉन्च की घोषणा की। वित्त मंत्रालय ने भारतीय अर्थव्यवस्था की अपनी नवीनतम समीक्षा में कहा कि भारत में 1.14 लाख से अधिक स्टार्टअप ने अब तक 12 लाख से अधिक नौकरियां पैदा की हैं।

क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम 14 मार्च, 2024 को खुलेगा

रायपुर। क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज लिमिटेड (केआईएसएल या कंपनी) के इक्विटी शेयरों का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम गुरुवार, 14 मार्च, 2024 को खुलेगा। ऑफ़र में रु. 1,750 मिलियन (रु. 175 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू (फ़्रेश इश्यू) और 1,750,000 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री की पेशकश (ऑफ़र फ़ॉर सेल) शामिल है (एक साथ, प्रस्ताव)। ऑफ़र का प्राइस बैंड रु. 680 से रु. 715 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोली न्यूनतम 20 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 20 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है (मूल्य बैंड)। एंकर इन्वेस्टर ऑफ़र बुधवार, 13 मार्च, 2024 को होगा। बोली/प्रस्ताव सदस्यता के लिए गुरुवार, 14 मार्च, 2024 को खुलेंगे और सोमवार, 18 मार्च, 2024 को बंद होंगे (बोली/प्रस्ताव अवधि)। कंपनी नए इश्यू से होने वाली शुद्ध आय का उपयोग फंडिंग के लिए करने का प्रस्ताव करती है - (द्व) कंपनी द्वारा लिए गए रु.100 मिलियन (रु.10 करोड़) की कुछ उधारी का पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान; कंपनी की रु.1000 मिलियन (रु.100 करोड़) की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए फ़ंड जुटाना; (द्वद्वद्व) रु. 100 मिलियन (रु. 10 करोड़) की नई मशीनरी की खरीद के लिए पूंजीगत व्यय के लिए फ़ाइनेंस जुटाना और (द्व1) शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए।

अयोध्या में मोरारी बापू की श्रीराम कथा का समापन

अयोध्या। श्रीराम की अवतरण भूमि अयोध्या से प्रवाहित रामकथा का रविवार को समापन हो गया। नौवे दिन न्यास कमेटी के आदरणीय चंपत राय ने अपने भाव को रखते हुए कहा कि जहां कथा चल रही है वह अयोध्या का सुनसान स्थान है। बगल में मणि पर्वत नाम का स्थल है जहां एक महीने का झूला मेला लगता है। क्योंकि चैत्र माह में भगवान का प्रागट्य होने के बाद सावन में भगवान चार महीने के होते हैं सब लोग अपने-अपने झूले को लेकर बड़ी मात्रा में इकट्ठा होते हैं और बाकी सुनसान सड़क है, लेकिन आज इसी स्थान में राम कथा ने इस वीरान भूमि प्रभु के नाम से जागृत कर दिया। कथा के अंतिम दिन मुरारी बापू ने श्रीराम के चरणों में प्रणाम करते हुए कहा की मानस राममंदिर केवल अयोध्या का नहीं, यह मेरे अंत:करण की प्रवृत्ति का निवेदन है,केवल पृथ्वी का मंदिर भी नहीं,यह त्रिभुवन का मंदिर है।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय टीम की बादशाहत तीनों फॉर्मेट में हासिल किया नंबर-1 का ताज

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय टीम ने धमाकेदार अंदाज में इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 से सीरीज जीत ली। टीम इंडिया की तरफ से गेंदबाजों और बल्लेबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। पहली बार ऐसा हुआ है कि टीम इंडिया ने 0-1 से पिछड़ने के बाद टेस्ट सीरीज 4-1 से अपने नाम की हो। टेस्ट सीरीज जीतते ही टीम इंडिया को ङ्खष्ट टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज 4-1 जीतने की वजह से टीम इंडिया आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में पहले पायदान पर पहुंच गई है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे कर दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। ङ्खष्ट टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के इस समय 122 रेटिंग अंक हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम के 117 रेटिंग अंक हैं। 111 रेटिंग अंकों के साथ इंग्लैंड की टीम तीसरे नंबर पर मौजूद है। न्यूजीलैंड 101 रेटिंग के साथ चौथे नंबर पर है। पहले और दूसरे स्थान को छोड़कर टॉप-10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आईसीसी ह्रष्ठढ्ढ रैंकिंग में भारतीय टीम पहले से ही नंबर एक की कुर्सी पर काबिज है। टीम इंडिया के 121 रेटिंग अंक हैं। ङ्खष्ट ञ्20ढ्ढ रैंकिंग में टीम इंडिया के 266 अंक हैं और टीम इंडिया के पास नंबर-1 का सिंहासन है। इस तरह से अब टीम इंडिया आईसीसी रैंकिंग के तीनों फॉर्मेट नंबर-1 बन गई है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय युवा प्लेयर्स ने कमाल का प्रदर्शन किया। यशस्वी जायसवाल ने सीरीज में सबसे ज्यादा 712 रन बनाए। उन्होंने सीरीज में दो दोहरे शतक लगाए। इसके अलावा उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाए।

भारतीय टीम ने डीआईसीसी टी20 वर्ल्ड कप यूएई में जीत की हैट्रिक लगाई

दुबई(एजेंसी)। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने दुबई में चल रहे बधिर आईसीसी टी20 विश्व कप में शानदार शुरुआत करते हुए तीसरे मैच में श्रीलंका को 1 विकेट से हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। भारत ने पहला मैच जीत लिया क्योंकि बांग्लादेश समय पर आयोजन स्थल पर पहुंचने में विफल रहा। इसके बाद उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा मुकाबले में हराया और श्रीलंका को एक विकेट से हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहला मैच जीता, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण समय पर नहीं पहुंच सके। डेफ़ इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल समिति ने भारत को मैच का विजेता घोषित किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 137 रन बनाए जबकि भारत ने 14 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाए और 8 विकेट से मैच जीत लिया। भारत की ओर से साई आकाश ने 35 गेंदों में 50 रन बनाए, गेंदबाजी में कुलदीप सिंह ने 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए। भारतीय बधिर क्रिकेट टीम के कोच देव दत्त ने कहा, भारतीय टीम टी20 विश्व कप में रणनीति और दृढ़ता के साथ उतरी है। हमने भारत में टी20 विश्व कप की शुरुआत की और तभी से प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, इसमें खेल के साथ-साथ खिलाड़ियों के प्रदर्शन, फिटनेस और वेलनेस का भी ध्यान रखा गया। कोच ने कहा, पहले मैच में बांग्लादेश की अनुपस्थिति के कारण भारत को दो अंक दिए गए थे, लेकिन भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मैच एकतरफा था जिसमें हमारे गेंदबाजों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को 140 से नीचे रोक दिया।

यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने किया स्पष्ट, एशियाई मीट, ओलंपिक क्वालीफायर के लिए केवल डब्लूएफआई ही कर सकता है टीमों का चयन

नई दिल्ली(एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती की नियामक संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने स्पष्ट किया है कि केवल आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ही अपने तत्वावधान में आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में टीमें भेज सकता है। वर्तमान में, संजय सिंह के नेतृत्व वाले भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को यूडब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा मान्यता दी गई है, जबकि खेल मंत्रालय ने चुनावों के बाद लगाए गए निलंबन को अभी तक नहीं हटाया है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू से स्पष्टीकरण मांगने की जरूरत तब पड़ी जब ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने दावा किया कि खेल मंत्रालय द्वारा गठित तदर्थ समिति आगामी सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2024 और एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए टीमों का चयन करेगी। हालांकि, यूडब्ल्यूडब्ल्यू के अध्यक्ष नेनाद लालोविक ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष संजय सिंह को लिखे और ईमेल के माध्यम से भेजे गए एक पत्र में स्पष्ट किया कि केवल इससे संबद्ध निकाय को ही अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए टीमें तैयार करने की अनुमति दी जाएगी। लालोविक ने अपने मेल में संजय सिंह से कहा, यूडब्ल्यूडब्ल्यू से नियमित रूप से संबद्ध राष्ट्रीय महासंघों की यह जिम्मेदारी है कि वे आधिकारिक कैलेंडर के अनुसार कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप, विश्व चैंपियनशिप, ओलंपिक गेम्स क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के साथ-साथ रैंकिंग सीरीज़ और अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए अपनी टीमों का चयन और घोषणा करें। पत्र में बताया गया कि टूर्नामेंट के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण केवल यूडब्ल्यूडब्ल्यू-संबद्ध राष्ट्रीय महासंघों द्वारा निर्धारित नियमों और समय सीमा के तहत किया जा सकता है। इसका मतलब है कि संजय सिंह के नेतृत्व वाला भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) आगामी टूर्नामेंटों के लिए टीमों का चयन करेगा और हाल ही में सभी योग्य पहलवानों को ट्रायल के लिए आमंत्रित किया है।

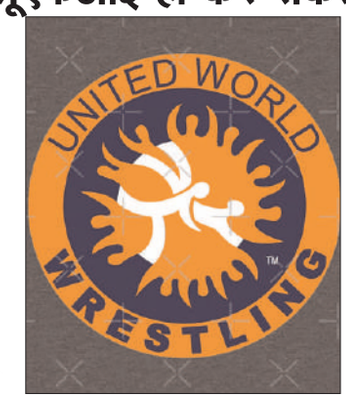

आईपीएल 2024 में नहीं खेलेंगे ऋषभ पंत! फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिलने की खबर

नई दिल्ली(एजेंसी)। बल्लेबाज ऋषभ पंत के इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में खेलने को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। रिपोर्ट की माने तो उनको आगामी सीजन के लिए अभी तक दिल्ली कैपिटल्स के दल का हिस्सा नहीं बनाया गया है। वहीं, उन्हें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से फिटनेस टेस्ट पास करने का सर्टिफिकेट भी नहीं मिला है। इसी तरह नेशनल क्रिकेट एकेडमी उन्हें अभी किसी भी मुकाबले में खेलने के लिए तैयार नहीं मान रही है। बता दें कि आगामी 22 मार्च से शुरू होगा। मामले पर अन्य मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों की मानें तो, ऋषभ पंत को अब तक ब्लष्टष्ठ्ठ से फिटनेस टेस्ट पास होने का सर्टिफिकेट नहीं मिला है। इसके चलते अब तो उनके उनके आगामी ढ्ढक्करु खेलने पर संशय है। कहा जा रहा है कि, खुद नेशनल क्रिकेट एकेडमी (हृष्ट) के एक्सपर्ट भी पंत को मैच खेलने को लेकर फिलहाल फिट नहीं मान रहे हैं। हालांकि मामले पर मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जब पंत की टीम दिल्ली कैपिटल्स से इस बारे में प्रश्न हुए तो उन्होंने इसका खंडन नहीं किया, हां, सिर्फ इतना कहा कि अभी इस बारे में अब भी कोई कोई जानकारी नहीं है। सूत्रों के अनुसार, दरअसल फिटनेस क्लियरेंस नहीं मिलने चलते दिल्ली कैपिटल्स ने अपने स्क्वॉड में अब तक ऋषभ पंत को शामिल नहीं करने के लिए मजबूर है। हालांकि टीम मैनेजमेंट ब्लष्टष्ठ्ठ से रिक्वेस्ट कर पंत को एक्स्ट्रा प्लेयर के रूप में स्क्वॉड में जरुर जगह दे सकती है। मामले पर दिल्ली कैपिटल्स (ष्ठष्ट) के क्रिकेट डायरेक्टर सौरव गांगुली ने बीते कुछ समय पहले ही एक इंटरव्यू में कहा था कि, पंत अब फिट हैं और ढ्ढक्करु खेल सकते हैं। हृष्ट 5 मार्च को उनकी फिटनेस रिपोर्ट देगा। हालांकि 9 मार्च तक भी पंत की रिपोर्ट सामने नहीं आई थी। ऐसे में अब उनके खेलने पर तमाम सवाल उठ रहे हैं। बता दें कि सलामी बल्लेबाज पंत दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने के बाद से ही क्रिकेट से अलग-थलग हैं। उनका बीते 31 दिसंबर 2022 को दिल्ली से रुड़की जाने के दौरान एक भयंकर एक्सीडेंट हो गया था। जिसके बाद उनके दाहिने पैर के घुटने की 3 बार सर्जरी हो चुकी है। फिलहाल वह नेशनल क्रिकेट अकादमी (हृष्ट) में रिकवरी मोड पर हैं।

एलन मस्क ने की लंबे वीडियो के लिए स्मार्ट टीवी पर एक्स स्ट्रीमिंग सेवा शुरू करने की घोषणा

नई दिल्ली(एजेंसी)। गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब के मुकाबले में एलन मस्क ने शनिवार को एक्स प्लेटफॉर्म पर एक स्ट्रीमिंग सेवा शुरू करने की घोषणा की, जहां लोग अपने स्मार्ट टीवी स्क्रीन पर लंबे वीडियो देख सकते हैं। मस्क ने कहा कि कंपनी अमेज़ॅन और सैमसंग स्मार्ट टीवी के लिए जल्द ही एक टीवी ऐप लॉन्च कर रही है। अरबपति ने एक्स पर पोस्ट किया, हम बस यही चाहते हैं कि लोग अपने बड़े टीवी स्क्रीन पर आराम से लंबे वीडियो देख सकें। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने कहा कि लोग अपने फोन से टीवी पर वीडियो चलाने के लिए ऐप्पल एयरप्ले का उपयोग कर सकते हैं। उनके एक अनुयायी ने टिप्पणी की कि एक्स का यह कदम अपने प्लेटफ़ॉर्म में विविधता लाने और डिजिटल सामग्री परिदृश्य में प्रतिस्पर्धा में आगे निकलने की दिशा में एक प्रयास है। यूजर ने पोस्ट किया, मस्क चाहते हैं कि एक्स प्लेटफॉर्म एवरीथिंग ऐप बन जाए। इसके पहले एक्स ने आर्टिकल्स' पेश किया, जो प्लेटफॉर्म पर लंबी-चौड़ी लिखित सामग्री शेयर करने का एक नया तरीका है। प्रीमियम यूजर और एक्स सेवाओं के लिए भुगतान करने वाले अब प्लेटफ़ॉर्म पर स्टाइलिस्ट टेक्स्ट, एम्बेडेड छवियों और वीडियो के साथ 'आर्टिकल्स' पोस्ट कर सकते हैं।

हलबी में पढ़ाई के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने लांच किये प्राइमर

रायपुर (विश्व परिवार)। शिक्षा के प्रारंभिक चरण में विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषाओं में शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने और उन्हें अपनी भाषा में अध्ययन करने का अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय भाषाओं के 52 प्राइमर लांच किये हैं। इनमें छत्तीसगढ़ की स्थानीय भाषा हलबी का प्राइमर शामिल है। इन प्राइमरों का उद्देश्य न केवल पढ़ने और लिखने में भाषा दक्षता प्रदान करना है, बल्कि प्रारंभिक चरण के शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना भी है। केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास व उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ये प्राइमर लांच किये। छत्तीसगढ़ के लिए हलबी प्राइमर तैयार किया गया है। शिक्षा मंत्रालय की पहल पर एनसीआरटी ने 17 राज्यों की 52 स्थानीय भाषाओं में प्राइमर तैयार किये हैं। इनमें आदिवासियों द्वारा बोली जाने वाली और स्थानीय स्तर पर प्रचलित भाषाओं को शामिल किया गया है। श्री प्रधान ने इस अवसर पर कहा, ध्नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में भारतीय भाषाओं में शिक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। स्थानीय भाषा में पठन-पाठन से बच्चों में विषय के प्रति स्पष्टता बढ़ेगी। सरकार की यह पहल भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में गेमचेंजर साबित होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में भी यह महत्वपूर्ण कदम होगा। शिक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित ये प्राइमर किसी भाषा की वर्णमाला के अक्षरों व प्रतीकों का उच्चारण करने, पहचानने और समझने की कुंजी के रूप में कार्य करेगा। यह बच्चों को इन अक्षरों के एक या अधिक सेटों के संयोजन से बने अर्थों से भी परिचित कराता है। आमतौर पर बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा की शुरुआत उनकी स्थानीय भाषा से होती है। स्कूल जाने के पश्चात उन्हें हिंदी या राज्य की प्रमुख भाषा में पढ़ाई करनी पड़ती है। ऐसे में उन्हें शुरुआत में ही दिक्कत का सामना करना पड़ता है। श्री प्रधान का मानना है कि स्कूल में भी उन्हें उनकी अपनी भाषा में समझने की सहूलियत होने से मूल विषयों के प्रति उनकी समझ और बढ़ेगी। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पढ़ाई में ये प्राइमर बेहद सहायक साबित होंगे।

वी फाउन्डेशन और इंडस टावर्स ने प्रेरक महिलाओं को सम्मानित कर मनाया अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

भोपाल (एजेंसी)। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में सूखे की संभावना अक्सर किसानों की आजीविका में रूकावट बन जाती हैं लेकिन आज मध्य प्रदेश का देवली उम्मीद की किरण के रूप में उभरी हैं जिन्होंने इंडस द्वारा समर्थित वोडाफोन आइडिया के स्मार्ट एग्री प्रोग्राम के तहत स्मार्ट आईओटी डिवाइसेज़ के द्वारा सूखे ज़मीन को समृद्ध खलिहानों में बदल डाला है। ऐसी ही प्रेरक कहानी सीता प्रजापत की भी है। एक समय था जब वह मिट्टी के बर्तनों और केटरिंग का छोटा सा व्यवसाय करती थीं, उन्हें आर्थिक मुश्किलों से जूझना पड़ता था। आज सीता आर्थिक रूप से मजबूत हैं और 50 अन्य महिलाओं को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए मार्गदर्शन दे रही हैं। ये महिलाएं बदलाव की प्रेरणा देती हैं, जिन्होंने मुश्किलों के बावजूद हार नहीं मानी और जीत हासिल अपने समुदायों पर सकारात्मक छाप छोड़ी। ऐसी कई महिलाओं की कहानियां वोडाफोन आइडिया के विशेष प्रकाशन -वुमेन ऑफ वंडर-कैटेलिस्ट ऑफ चेंज' में प्रदर्शित की गई हैं, जिसे हाल ही में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान रिलीज़ किया गया। उद्दीप सोशल वेलफेयर सोसाइटी की संस्थापक पूनम श्रोती भी इस अवसर मौजूद रहीं, जिन्होंने ग्रामीण महिला उद्यमिता तथा वर्तमान में मौजूद अवसरों पर रोशनी डाली। इस प्रकाशन में देश की बदलावकर्ता महिलाओं की कहानियों को प्रस्तुत किया गया है और दर्शाया गया है कि किस तरह टेक्नोलॉजी ग्रामीण भारत के जीवन में बदलाव ला रही है। आधुनिक प्रोग्रामों एवं डिटिल टूल्स के माध्यम से महिलाओं ने टेक की क्षमता का उपयोग कर ज़रूरी जानकारी, शिक्षा, संसाधन एवं मार्केट के लिए पहुंच हासिल की है। उनकी कहानियां आधुनिक तकनीकों के द्वारा समुदायों के सशकतीकरण पर रोशनी डालती हैं। इंडस टावर्स द्वारा समर्थित वोडाफ़ोन आइडिया फाउन्डेशन का स्मार्ट एग्री प्रोग्राम देश भर की महिलाओं के साथ काम कर रहा है और उन्हें आधुनिक तकनीकों के उपयोग एवं निर्णय निर्धारण में सक्षम बनाता रहा है। स्मार्ट एग्री प्रोग्राम ने आधुनिक कृषि के द्वारा हज़ारों महिला किसानों को सशक्त बनाया है।

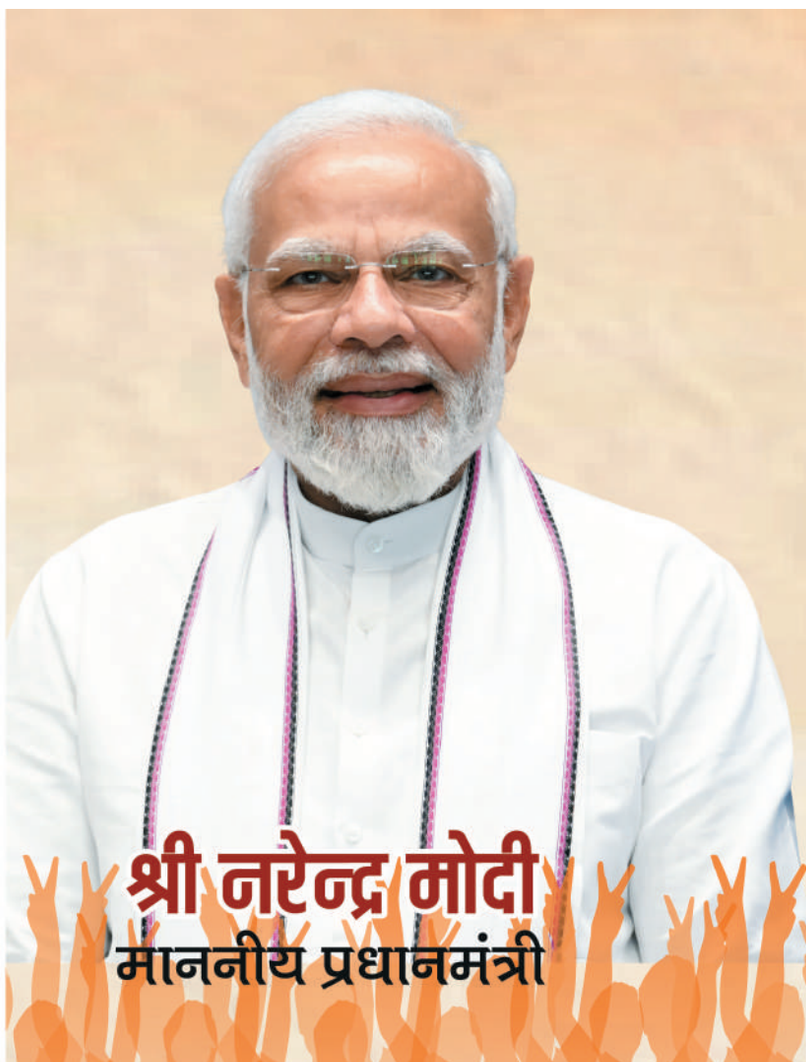

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मोदी की एक और गारंटी होने जा रही पूरी

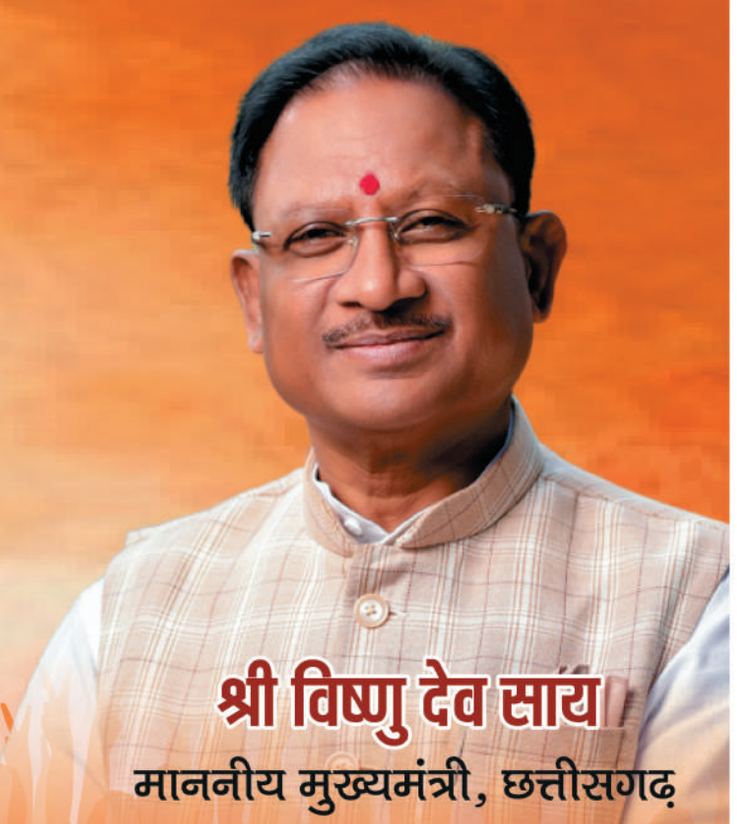

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

कृषक उन्नति योजना

दिनांक 12 मार्च 2024

प्रदेश के 24.72 लाख से अधिक किसानों के खाते में आएंगे

₹13,320 करोड़

खुशहाल किसान ■ समृद्ध छत्तीसगढ़ ■ विकसित भारत

- एमएसपी के बाद अब अंतर की राशि का भुगतान करने जा रही सरकार
- किसानों को प्रति एकड़ 19,257 रुपए के मान से आदान सहायता

मोदी की गारंटी - विष्णु का सुशासन

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क